शुभ दीपावली

अपने जीवन को आध्यात्मिक प्रकाश से प्रकाशित करने का पर्व है दीपावली। दीपावली परिवार, समाज, देश एवं विश्व में शांति एवं एकता का त्योहार है। दीपावली में मिट्टी के दीयों को जलाने की परम्परा रही है। हमारा यह शरीर भी मिट्टी के दीये का ही प्रतीक है। इस शरीर रूपी मिट्टी के दीये में परमात्मा की दी हुई लौ (आत्मा) बाती के रूप में जल रही है। हमारा मानना है कि जिस प्रकार एक जलता हुआ दीया अनेक बुझे हुए दीयों को प्रज्ज्वलित कर सकता है ठीक उसी प्रकार ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित किसी भी मनुष्य की आत्मा दूसरी आत्माओं को भी आध्यात्मिक प्रकाश से प्रज्ज्वलित कर एक सभ्य एवं समृद्ध समाज का निर्माण कर सकती है। इस प्रकार दीपावली तो सारे समाज में व्याप्त ईर्ष्या, विद्वेष, अशांति, आपसी मनमुटाव व अनेकता जैसे अधंकार को आध्यात्मिक प्रकाश से समाप्त करते हुए सारे समाज में भाईचारे, शांति, प्रेम व एकता की स्थापना करने का पावन पर्व है न कि पटाखों एवं जहरीले धुओं से पर्यावरण व समाज को प्रदूषित करने का।

दीपावली

अपने जीवन को 'आध्यात्मिक प्रकाश' से प्रकाशित करने का पर्व है !

दीपावली पूजन की संपूर्ण विधि और पूजन मंत्र

- पूजा की वेदी सजाएं। साफ धुली हुई चौकी पर लाल वस्त्र बिछा कर कमल या किसी अन्य पुष्प अथवा अक्षत के आसन पर लक्ष्मी की प्रतिमा को स्थापित करें। बाईं ओर गणेश तथा दाहिनी ओर सरस्वती की प्रतिमा रखें।
- वेदी के सामने एक थाली में रोली,अक्षत, मोली ,धूपबत्ती, कपूर, चन्दन, फूल ,छह या जगह कम हो तो दो चौमुखी दीपक रखें। 26 छोटे दीए और बाती लें। इत्र भी रखें। और पूजा के लिए उपयोगी अन्य सामग्री भी रख लें। चौकी पर स्थापित लक्ष्मी, गणेश और सरस्वती की मूर्ति के आगे चावल के तीन छोटी-छोटी ढेरियां विष्णु, कुबेर एवं इंद्र के नाम पर बनाएं। इसके बाद यह मंत्र पढ़ते अपने उपर जल छिड़के।-
- ÷ॐ अपवित्रो पवित्रो वा,सर्व वस्थं गतो अपि वा य स्मरेत पुंडरीकाक्षम,सा बाह्यअभ्यान्तारशुचि। इसके बादमंत्रों से तीन आचमन करें- (1)ॐ केशवाय नमः, (2)ॐ माधवाय नमः, (3)ॐ नारायणाय नमः।
- अक्षत हाथ में लेकर उसमे जल छिड़क कर चारो दिशाओं में फेंके। फिर स्वस्ति-वाचन करें। अब दीपक पर अक्षत छिड़कें हाथ में अक्षत एवं फूल लेकर उक्त मंत्रों का ही उच्चारण कर हस्त-प्रक्षालन करें, गणेश, लक्ष्मी और सरस्वती की मूर्तियों को कच्चे दूध से स्नान कराए।
- दुग्धस्नान के बाद गंगाजल से स्नान कराएं। साफ कपडे से मूर्तियां पोंछकर उन्हें वस्त्र तथा आभूषण (माला) धारण करवाएं। देव प्रतिमाओं को तिलक करें। सिंदूर चढ़ाएं -दीप प्रज्ज्वलित करें। गणेशजी को तथा लक्ष्मीजी के समक्ष पंचामृत समर्पित करें (दूध,धृत, शक्कर,शहद एवं दही से बना मिश्रण का पात्र रखें)।
- अब हाथ जोड़कर गणेश-वंदन करें।
- वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः,
- निर्विघ्नम कुरुमेदेव सर्वकार्येषु सर्वदा।
- गणेशजी और लक्ष्मी को क्रम से रोली, अक्षत का तिलक करें और इसके बाद इत्र ,धुप, नैवैद्यम चढ़ा कर दीप दिखाएं।
- इसके बाद लक्ष्मी को भी इसी तरह नैवेद्य आदि चढ़ाते हुए पुष्पासन पर बिठाते हुए वस्त्र,आभूषण चढ़ाएं। उन्हें रोली,सिन्दूर चढ़ाएं और मंत्र पढ़ें। कुमकुमः अर्पितो देवी ग्रहान्परमेश्वरी। सिंदूरो शोभितो रक्तं। ॐ श्री महालाक्ष्मै च विद्महे ,विष्णु पत्न्यै च धीमहि ,तन्नौ लक्ष्मी प्रचोदयात ॐ ।। अब इन मंत्रों से नमस्कार करें।
- ॐ आद्य-लक्ष्म्यै नमः ।ॐ विद्या-लक्ष्म्यै नमः ।ॐ सौभाग्य- लक्ष्म्यै नमः ।ॐ अमृत लक्ष्म्यै नमः। ॐ कमालाक्ष्याई - लक्ष्म्यै नमः। ॐ सत्य लक्ष्म्यै नमः। ॐ भोग लक्ष्म्यै नमः। ॐ योग-लक्ष्म्यै नमः ।अब यह मंत्र पढ़ कर पुष्प चढ़ाएं- ÷कर-कृतम् व कायजं कर्मजं वा श्रवण नयनजम वा मानसम् वा अपराधं विदितमविदित वा .सर्वमेतत क्षमस्व,जय जय करुणाब्धे ,श्री-महालाक्ष्मि त्राहि।
- श्री लक्ष्मी देव्यै मंत्र-पुष्पांजलि समर्पयामि ।। क्षमा प्रार्थना करें आवाहनं न जानामि ,न जानामि विसर्जनं ।पूजा-कर्म न जानामि ,क्षमस्व परमेश्वरी। मंत्र-हीनं क्रिया-हीनं भक्ति- हीनं

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है।

सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था और इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था।

दीपावली 'अंधरे' से 'प्रकाश' की ओर जाने का पर्व है

दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधि से बना है। 'आवली' का शाब्दिक अर्थ है पंक्ति। इस प्रकार 'दीपावली' का शाब्दिक अर्थ है 'दीपों की पंक्ति'। भारत वर्ष में मनाए जाने वाले सभी त्यौहारों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है। अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व सभी धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाता है। हिन्दू मान्यता के अनुसार दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अपने परम प्रिय राजा के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए थे। तब से लेकर आज तक यह प्रकाश-पर्व भारत वर्ष में बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ मनाया जाता है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है। दीपावली यही चरितार्थ करती है- असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय। इस प्रकार दीपावली अंधेरे से प्रकाश की ओर जाने का पर्व है। इस प्रकार आज भी प्रत्येक वर्ष दीपावली के दिन एक दीपक से दूसरा जलाया जाता है और इन दीपों से निकलने वाली यह लौ (प्रकाश) सदियों से सारे संसार को शांति व भाइचारे का संदेश देती आ रही है।

खतरनाक पटाखों को जलाकर प्रदूषण फैलाने का पर्व नहीं है दीपावली

दीन-ए-इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊँचे बाँस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों मिलकर भाग लेते थे। इस प्रकार दीपावली प्रकाश का यह पर्व समाज से अंधकार को समाप्त कर उल्लास, भाईचारे व प्रेम का संदेश फैलाने की प्रेरणा देता है न कि खतरनाक पटाखों को जलाकर प्रदूषण फैलाने का। दीवाली का त्योहार का मतलब पटाखा जलाना नहीं होता है। दीवाली वाले दिन पटाखों के कारण कितने दमें के मरीज खाँसते-खाँसते परेशान हो जाते हैं? कितने ही घरों में आग लग जाती है और कितने लोगों की मृत्यु पटाखों के कारण हो जाती है।

ज्ञान, विवेक एवं मित्रता की लौ जलाने का पर्व है दीपावली

दक्षिण में दीवाली उत्सव के सम्बन्ध में एक और कथा प्रचलित है। हिंदू पुराणों के अनुसार राजा बली एक दयालु दैत्यराज था। वह इतना शक्तिशाली था कि वह स्वर्ग के देवताओं व उनके राज्य के लिए खतरा बन गया। बली की ताकत को खत्म करने के लिए ही भगवान विष्णु एक बौने भिक्षुक ब्राह्मण के रूप में चतुराई से राजा बली से तीन पग के बराबर भूमि मांगी। राजा बली ने खुशी के साथ यह दान दे दिया। राजा बली को कपट से फंसाने के बाद जब भगवान विष्णु ने स्वयं को प्रभु के स्वरूप में पूर्ण वैभव के साथ प्रकट करते हुए अपने पहले पग (पैर) से 'स्वर्ग' व दूसरे पग से 'पृथ्वी' को नाप लिया तब राजा बली को वास्तविकता का ज्ञान हुआ और उन्होंने आत्म समर्पण करते हुए अपना शीश अर्पित करते हुए भगवान विष्णु को अपना तीसरा पग उस पर रखने के लिए आमंत्रित किया। भगवान विष्णु ने अपने अगले पग से उसे अधोलोक में धकेल दिया लेकिन इसके बदले में भगवान विष्णु ने राजा बली को समाज से अंधकार को दूर करने के लिए उसे ज्ञान का दीपक प्रदान किया। उन्होंने उसे यह आशीर्वाद भी दिया कि वह वर्ष में एक बार अपनी जनता के पास अपने एक दीपक से लाखों दीपक जलाने के लिए आएगा ताकि दीपावली की अंधेरी रात से अज्ञान, लोभ, ईर्ष्या, कामना, क्रोध, अहंकार और आलस्य के अंधकार को दूर करते हुए सभी में ज्ञान, विवेक और मित्रता की लौ जलाई जा सके।

दीपावली का अर्थ है दीपों की पंक्ति। दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधिसे बना है। आवली अर्थात पंक्ति, इस प्रकार दीपावली शब्द का अर्थ है, दीपोंकी पंक्ति। भारतवर्षमें मनाए जानेवाले सभी त्यौहारों में दीपावलीका सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात् 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए' यह उपनिषदोंकी आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का ह्रदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से उल्लसित था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए। कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश–पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। यह पर्व अधिकतर ग्रिगेरियन कैलन्डर के अनुसार अक्टूबर या नवंबर महीने में पड़ता है। दीपावली दीपों का त्योहार है। इसे दीवाली या दीपावली भी कहते हैं। दीवाली अँधेरे से रोशनी में जाने का प्रतीक है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है। दीवाली यही चरितार्थ करती है– असतो माऽ सद्गमय, तमसो माऽ ज्योतिर्गमय। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग–रोगन, सफ़ेदी आदि का कार्य होने लगता हैं। लोग दुकानों को भी साफ़ सुथरा का सजाते हैं। बाज़ारों में गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर–मोहल्ले, बाज़ार सब साफ–सुथरे व सजे–धजे नज़र आते हैं।

संपादकीय

उपचुनावों का संदेश

देश के विभिन्न राज्यों में तीन लोकसभा और 29 विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव के नतीजे गहरे निहितार्थ लिए हुए हैं। खासकर हिमाचल प्रदेश के परिणाम केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए सुखद नहीं रहे। पार्टी न सिर्फ लोकसभा की अपनी मंडी सीट कांग्रेस के हाथों गंवा बैठी, बल्कि विधानसभा की तीनों सीटों पर भी कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कब्जा कर लिया। गौरतलब है कि अगले ही साल वहां विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, और इन उपचुनावों को सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा था। हिमाचल के ये परिणाम इसलिए भी खासे अहम हैं कि इसके पड़ोसी प्रदेशों पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी अगले साल के पूर्वार्द्ध में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस करारी हार के लिए यदि महंगाई को उत्तरदायी ठहराया है, तो इसे बचाव का बयान नहीं समझा जाना चाहिए। यह सही है कि महंगाई लोगों के दैनंदिन जीवन पर असर डालने लगी है और इसके लिए यहां पेट्रोल-डीजल या खाद्य पदार्थों के दाम याद दिलाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र से भी अच्छी खबर नहीं आई है, और न ही वह कर्नाटक के परिणाम से बहुत संतोष कर सकती है, जहां कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के गृह जिले की सीट भाजपा से छीन ली है। भाजपा के लिए सुखद खबरें असम और मध्य प्रदेश से हैं, जहां उसका जलवा बरकरार है। असम में बिखरे हुए विपक्ष ने भाजपा का काम आसान कर दिया और उसके नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन ने वहां एकतरफा जीत हासिल की है, तो वहीं मध्य प्रदेश में भी उसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। हालांकि, लोकसभा की तीन सीटों में से दो पर कांग्रेस और उसकी सहयोगी शिव सेना की जीत से विपक्ष का हौसला बढ़ेगा, और एनडीए इस परिणाम को नजरअंदाज नहीं कर सकता। यकीनन, लोकसभा में अंकगणित पर इससे कोई खास असर नहीं पड़ने वाला, पर ये परिणाम लोगों की आकांक्षाओं को परिलक्षित तो करते ही हैं। अमूमन, उपचुनावों में राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों का दबदबा होता है, और इस चुनाव में भी हिमाचल और कर्नाटक को छोड़ दें, तो आम तौर पर यही रुख दिखा है, मगर बिहार की दो सीटों को जिस तरह से राजद ने अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था, उनके परिणामों में तेजस्वी यादव के लिए गहरे संदेश हैं। उन्होंने लालू यादव तक को इन सीटों के चुनाव प्रचार के लिए उतार दिया था, लेकिन वह अपने गठबंधन को एकजुट नहीं रख पाए। अब चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि कांग्रेस के भी चुनाव लड़ने और दोनों दलों के नेताओं की आपसी तू तू-मैं मैं को मतदाताओं ने सहजता से नहीं लिया है। बिहार में एक तरफ सत्तारूढ़ गठबंधन मजबूती से साथ था, तो दूसरी तरफ राजग में फूट थी। राजनीति में रणनीतिक जीत के लिए कई बार कुछ कदम पीछे हटना पड़ता है, और इसकी मिसाल 2015 में खुद राजद-जद(यू)-कांग्रेस गठबंधन ने पेश की थी। इसका लाभ महागठबंधन को मिला भी था। सियासत जोश के साथ होश की भी मांग करती है, भाजपा की असम विजय इसकी बानगी है। उपचुनावों के परिणाम जहां कांग्रेस को बता रहे हैं कि मध्य प्रदेश क्यों उसके लिए मुश्किल है, तो भाजपा को महंगाई, किसान आंदोलन को गंभीरता से लेने के लिए आगाह भी कर रहे हैं।

बीएसएफ अधिकार क्षेत्र में विस्तार पर सवाल

बहुत से मामलों में सलाह-मशविरा नहीं किया जाता, परिणामस्वरूप अक्सर सूबे खुद को असहज स्थिति में पाते हैं। कभी एक राष्ट्रीय अखंडता परिषद थी, जिसकी बैठक साल में एक बार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुआ करती थी और सभी मुख्यमंत्री भाग लेते थे। यह वह मंच था, जहां केंद्र-राज्य संबंधों पर चर्चा होती थी, नतीजतन बेहतर समन्वय बना रहता था। परंतु पिछले समय में मैंने इस मंच के किसी सम्मेलन के बारे में नहीं सुना है। अगर यह अभी भी वजूद में है, तो इसको पुनर्जीवित कर नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित की जाएं, क्योंकि बहुत से केंद्र-राज्य मसले पैदा हो रहे हैं।

गुरबचन जगत

हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर पंजाब में सीमा नियंत्रण रेखा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल द्वारा तलाशी, बरामदगी और गिरफ्तारी करने वाले अधिकार क्षेत्र का दायरा 15 कि.मी. से बढ़ाकर 50 कि.मी. कर दिया। स्पष्ट है इस आदेश को जारी करते वक्त केंद्रीय गृह मंत्रालय की मुख्य चिंता जाहिर है सुरक्षा की दृष्टि से है, खासकर जम्मू-कश्मीर में बढ़ती सीमापारीय घुसपैठ, आम नागरिकों की हत्याएं और पंजाब सीमा पर ड्रोन गतिविधियों में बढ़ोतरी के मद्देनज़र। हालांकि पंजाब में ऐसा कुछ विशेष रूप से सामने नहीं आया है और यह निर्णय एहतियातन, नागरिकों और सुरक्षा बलों में खतरे की आशंका को लेकर सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से ज्यादा लगता है। इस पर आई पंजाब सरकार की प्रतिक्रिया अनुकूल नहीं रही और आदेश को वापस लेने की मांग की है। यहां तक कि सर्वदलीय बैठक में भी, जिसमें भाजपा शामिल नहीं हुई, इसको वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। सीमांत और अन्य इलाकों के बाशिंदों की प्रतिक्रिया खामोश किंतु नकारात्मक है। भौगोलिक दृष्टि से चूंकि पंजाब एक छोटा सूबा है, इस लिहाज से सीमा से 50 कि.मी. दायरा होने का मतलब है राज्य का लगभग आधा हिस्सा अधिकार क्षेत्र की जद में आ जाएगा। इसमें अमृतसर, फिरोज़पुर, तरनतारन, बटाला इत्यादि शहर भी आ जाते हैं। अमृतसर वैसे भी वह शहर है जिसे श्रीदरबार साहिब की उपस्थिति का आशीर्वाद मिला है और देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां अपना अकीदा पेश करने आते हैं। एक अनकहा डर यह बन गया है कि कहीं बीएसएफ 50 कि.मी. पट्टी में मनमानी कार्रवाई न करने लगे, यहां तक कि शहरों-कस्बों में भी। चूंकि पंजाब में चुनावी दौर है, इस धारणा को बल मिलता है कि कहीं इसका प्रयोग विपक्षियों को निशाना बनाने में न किया जाए। यह डर केंद्र और राज्य सरकार के बीच आपसी सलाह-मशविरा न होने की वजह से बना। इतनी गोपनीयता की जरूरत नहीं थी, राज्य सरकार को भरोसे में लिया जाना चाहिए था। दूसरा, इस आदेश पर अमल कैसे होगा, इसकी और अधिक जानकारी देनी चाहिए थी या फिर इसका अर्थ है कि पंजाब में 50 कि.मी. अंदर तक बीएसएफ अपने नाके-चौकियां बनाएगी या सिर्फ तैनात बल की शक्तियों में विस्तार किया गया? अगर तो बीएसएफ अमला जरूरत पर पंजाब पुलिस से तालमेल कर अपनी नई शक्तियों का प्रयोग करेगा, तो इस पर ज्यादा आपत्ति नहीं हो सकती। सीमा के एकदम साथ लगते इलाकों में पंजाब पुलिस के थाने और कर्मियों की उपस्थिति खासी है और बीएसएफ की बड़ी सक्रियता में उनको साथ रखा जा सकता है। अधिकार क्षेत्र में विस्तार से पहले वाले समय में भी बीएसएफ और पंजाब पुलिस के बीच सूचना एवं अभियानों संबंधी जानकारी का आदान-प्रदान का सहयोग कायम था। अंततः यह सब ऊपरी स्तर के नेतृत्व के बीच संबंधों और फलतः धरातल पर बने सौहार्द पर निर्भर करता है। मैंने लंबे समय तक पंजाब पुलिस में काम किया है, जिसमें 4 वर्ष अमृतसर में बतौर एसएसपी कार्यकाल भी शामिल है, साथ ही मुझे बीएसएफ का महानिदेशक होने का सौभाग्य भी मिला है। दोनों बलों में, एसएसपी और महानिदेशक रहते हुए, मेरा वास्ता इनके बीच बहुत बड़े खिंचाव से कभी नहीं हुआ। वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से आपस में मिलकर मसलों को सुलझा लेते हैं। इससे पहले, बीएसएफ का महानिदेशक रहते हुए, जब यह बल जम्मू-कश्मीर के काफी अंदर तक तैनात था, तब भी राज्य पुलिस के साथ सीमा और अंदरूनी भागों में निकटवर्ती सहयोग पाया था। अब भी, मेरा सुझाव होगा कि या तो केंद्रीय गृह सचिव या फिर बीएसएफ के महानिदेशक इस आदेश के क्रियान्वयन और पहलुओं के बारे में ज्यादा जानकारी दें, इससे भ्रांतियां खत्म होंगी। यह सीमावर्ती नागरिकों के भरोसे में इजाफा करेगा। निस्संदेह राजनीतिक दलों का अपना एजेंडा होता है, इसलिए वे उसी मुताबिक चलते हैं। हम यह सुनिश्चित करें कि आम लोग तंग न हों और वे अपना काम बिना किसी डर कर सकें, खासकर जब सूबे में आज की तारीख में न तो विद्रोही गतिविधियों जैसे हालात हैं और न ही बड़ी तादाद में मानव और शस्त्रों की सीमापारीय घुसपैठ हो रही है। इससे आगे, वरिष्ठ और स्थानीय स्तर के अफसरों के बीच होने वाली नियमित बैठकों में कार्रवाई योग्य प्राप्त गुप्त सूचनाओं का आदान-प्रदान वास्तविक समय में होता रहे। इस विषयवस्तु में स्थानीय पुलिस अहम भूमिका निभा सकती है। हम में से जिस किसी ने पंजाब या जम्मू-कश्मीर में काम किया है, यह बात हर कोई कबूल करेगा कि कार्रवाई योग्य सबसे भरोसेमंद गुप्त सूचना सदा स्थानीय पुलिस से मिलती है, धरातल पर काम करने वाले पुलिसवालों का राब्ता उस इलाके से होता है और लोग उन पर भरोसा कर जानकारी देते हैं। यदि स्थानीय पुलिस सूचना प्रदान करे और बीएसएफ अपना कार्यबल, तो यह युग्म विजयी होता है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सेना और अर्ध-सैनिकों बलों में विशेष कार्यबल ज्यादा लोकप्रिय रहे। आज भी, कश्मीर में विशेष कार्यबल आतंकरोधी अभियानों की रीढ़ हैं। याद रहे कि हमारा संवैधानिक ढांचा संघीय है, इसलिए कार्य का बंटवारा एकदम स्पष्ट होना चाहिए। कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है। बीएसएफ की स्थापना से पहले यह पंजाब पुलिस ही थी, जिसके जिम्मे सीमा की निगरानी थी। बीएसएफ के वजूद में आने के बाद, सीमारेखा से 15 कि.मी. तक इलाके की निगहबानी इसको दे दी गई। पंजाब पुलिस ने अपनी अलग बॉर्डर रेंज बनाई, जिसमें अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर जिलों के सीमावर्ती थानाक्षेत्र शामिल हैं। बीसीएफ और पंजाब पुलिस के बीच निकट सहयोग सदा रहा है। इसलिए बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र में विस्तार करने की कोई वैध वजह नहीं लगती। अब राज्य और केंद्र सरकार को गृह मंत्रालय, बीएसएफ और राज्य प्रशासनिक इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का काम करना होगा। गृह मंत्रालय को अपने तौर पर अचानक एकतरफा फैसलों की घोषणा नहीं करनी चाहिए- सलाह लेनी सदा मददगार होती है। यह पहली मर्तबा है कि गृह मंत्रालय और बीएसएफ को सलाह देनी पड़ रही है कि आदेश के पहलुओं की व्याख्या करें। जो बात स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा रही है, वह यह है कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों में बीएसएफ जांच चौकियों की स्थापना और देहात, कस्बों, शहरों में बड़े पैमाने पर होने वाली तलाशियां। लेकिन केंद्र सरकार द्वारा नए आदेश की तफ्सील देने और वास्तविक धरातल पर बीएसएफ एवं पंजाब पुलिस के बीच निकट समन्वय के परिणाम में मधुर कार्य-संबंध बने रहेंगे। केंद्र ध्यान रखे कि ऐसा आभास न बने कि राज्य सरकार के अधिकारों का हनन हो रहा है, खासकर पंजाब जैसे सीमांत सूबे में, जहां लंबे समय के बाद शांति स्थापना हो पाई थी। केंद्र सरकार को पंजाब में उदारतापूर्वक बड़े पैमाने पर विकास कार्यक्रम चलवाने चाहिए ताकि लंबे चले आतंकवाद और कई युद्धों से हुए नुकसान की भरपाई हो सके। कुछ अर्से से, अपराध और कानून-व्यवस्था के विषय में राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में केंद्रीय एजेंसियों की दखलअंदाजी लगातार बढ़ती देखी गई है। बहुत से मामलों में सलाह-मशविरा नहीं किया जाता, परिणामस्वरूप अक्सर सूबे खुद को असहज स्थिति में पाते हैं। कभी एक राष्ट्रीय अखंडता परिषद थी, जिसकी बैठक साल में एक बार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुआ करती थी और सभी मुख्यमंत्री भाग लेते थे। यह वह मंच था, जहां केंद्र-राज्य संबंधों पर चर्चा होती थी, नतीजतन बेहतर समन्वय बना रहता था। परंतु पिछले समय में मैंने इस मंच के किसी सम्मेलन के बारे में नहीं सुना है। अगर यह अभी भी वजूद में है, तो इसको पुनर्जीवित कर नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित की जाएं, क्योंकि बहुत से केंद्र-राज्य मसले पैदा हो रहे हैं। वैसे भी, जब कभी राज्यों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना हो तो पहले उनसे विचार-विमर्श जरूर किया जाए। यह पहलू भारत की सुरक्षा संबंधित मामलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम सबकी एक राय हो। अपनी विशाल सीमा पर हम खतरों से घिरे हैं।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

दीपावली: देश का धन देश में ही रहे

- डॉ.रामकिशोर उपाध्याय

त्यौहार हमारे लिए धार्मिक आस्था,सांस्कृतिक विरासत एवं अध्यात्मिक महत्व के पर्व होते हैं। इसके विपरीत वैश्वीकरण ने इन्हें विदेशी कंपनियों के लिए लूटने,ठगने और भारतीय पैसे को सोखने के साधन बना दिए हैं। ऐसी कंपनियों के बाजार विशेषज्ञों के बड़े दल त्यौहार के अनुरूप रणनीति तैयार करते हैं और किस लोकप्रिय कलाकार/सेलिब्रिटी से किस प्रकार जनता का विश्वास जीतना है, उसका पूरा अध्ययन किया जाता है। बाजारबाद का खेल इतना सुनियोजित और भ्रामक है कि कृत्रिम आवश्यकताएं उत्पन्न करके रद्दी से रद्दी चीज को महत्वपूर्ण बता कर बेच दिया जाता है। आम आदमी विज्ञापन देखकर वस्तु खरीदता है, कंटेंट और कम्पोजीशन पर उसका ध्यान ही नहीं जाता। इसीलिए विदेशी वस्तुओं की विक्री बढ़ाने,चीन,अमेरिका आदि देशों द्वारा की जा रही इस निर्मम लूट के लिए हमारे कथित सेलिब्रिटी भी कम दोषी नहीं हैं। कुछ खिलाड़ी और कुछ अभिनेता अपनी लोकप्रियता को भाड़े पर उठाकर,झूठा विज्ञापन करके हमें विदेशी कंपनियों का समान खरीदने के लिए सतत प्रेरित करते रहते हैं। अमिताभ बच्चन जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी भारतीय व्यंजनों/मिठाइयों को पलीता लगाते हुए दीपावली पर मिठाई के स्थान पर विदेशी चॉकलेट डेरी मिल्क खरीदने की भावनात्मक अपील कर रहे हैं क्यों ? क्या भारत में डेरी मिल्क भी मिठाई कही जा सकती है? दीपावली पर मिठाई में प्रयुक्त गुड़,शक्कर की खपत से गन्ना किसानों को लाभ होता है, हमारे स्थानीय दुकानदार/हलवाई रोजगार पाते हैं,दूध,दही की जमकर बिक्री होती है।यदि हम त्यौहार पर विदेशी चॉकलेट को मिठाई के रूप में देने-लेने लगें तो भारत का स्वदेशी मिठाई व्यापार समाप्त हो जाएगा। ऐसी कितनी ही वस्तुएँ हैं जो दीपावली ऑफर,धन तेरस पर बम्फर छूट,एक के साथ एक फ्री और कैश बैक के लालच में हम अपने घर में ले आते हैं। धन तेरस के दिन सोना,चाँदी और तांवे के वर्तन खरीदने का चलन है किन्तु विदेशी कंपनियों के आकर्षक विज्ञापन हमें अनावश्यक वस्तुएँ खरीदने के लिए ललचाते रहते हैं। अब सोना चाँदी,तांबे को छोड़ इस शुभ दिन पर भी लोग स्टील (लोहा), प्लास्टिक, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि की ऐसी वस्तुएँ खरीदने लगे हैं जिनका रीसेल वेल्यू नगण्य है।7 उनमें भी अनेक तो एक वर्ष बाद ही कचरे के डिब्बे में पहुँचने वाली होती हैं। धन तेरस का पर्व निवेश के स्थान पर धन की बरबादी का फैशन बनता जा रहा है। स्थिति यह हो गई है कि हम लक्ष्मी और गणेश की मूर्ति तक चाइनीज ले आते हैं। क्या हम अपने अराध्य की मिट्टी की प्रतिमाएं या कैलेण्डर तक स्वदेशी नहीं खरीद सकते ?

यदि अपने धर्म और अपने देश की वस्तुओं के प्रति हमारा स्नेह और आग्रह यों ही दुर्बल होता गया तो फिर यह स्वाधीनता अधिक समय तक टिकने वाली नहीं होगी। अपने खून पसीने की कमाई से अर्जित धन का एक महत्वपूर्ण भाग हम अपने उल्लास,उमंग और आनंद के लिए इस पावन पर्व पर खर्च करते हैं। उसी धन से हमारे समाज के विभिन्न वर्गों का आपसी व्यापार सुदृढ़ होता है। हम एक दूसरे के द्वारा बनाई वस्तुएं खरीदकर अपनी आवश्यकताएँ पूरी करते हैं तथा एक दूसरे की सहायता भी करते हैं और परस्पर जुड़ते भी हैं। अत: दीपावली देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करनेवाला और समाज को जोड़ने वाला त्यौहार भी है। एक कुम्हार आशा करता है कि दीपावली पर उसके दीये बिकेंगें तो वह कुछ पैसा जोड़ लेगा। कपड़े वाला,मिठाई वाला,पटाखेवाला,खील-खिलौनेवाला आदि हमारे आस-पास का पूरा समाज त्यौहार की प्रतीक्षा करता है। कितने आश्चर्य की बात है कि आजकल जूते की दुकानवाला ऑनलाइन कपड़ा खरीद लेता है तो कपड़ेवाला ऑनलाइन जूते यों हीं हम सब अपनी आवश्यकता का सामान ऑनलाइन खरीद लेते हैं और फिर रोते हैं कि इस बार त्यौहार पर बाजार चला ही नहीं। चीनी सामान पहले की तुलना में थोड़ा कम अवश्य हुआ है किन्तु अभी भी भारतीय बाजार के बड़े हिस्से पर चीनी कंपनियों और वस्तुओं का कब्ज़ा है। जिस चीन ने हमें कोरोना जैसी महामारी देकर भयंकर संकट में डाल दिया हो और जो भारत का परम शत्रु और प्रतियोगी हो, हम उसका समान खरीदकर अपने देश की अर्थव्यवस्था को तो क्षति पंहुचाते ही हैं, साथ -ही -साथ अपने देश के उन वीर सैनिकों का भी अपमान करते हैं जो चीन के साथ किसी भी क्षण हो जाने वाले युद्ध के लिए सीमा पर तैयार खड़े रहते हैं। कोरोना काल में ऑनलाइन बाजार का ट्रेंड बहुत बढ़ गया है किन्तु भारत में ऑनलाइन सामान बेचने वाली कंपनी अमेजन के बारे में कहा जा रहा है कि ये चीनी कंपनियों से सस्ता सामान खरीदकर भारत में कम रेट पर बेचकर हमारे देश का पैसा लूट रही है। हम जिस चीनी सामान का बहिष्कार करना चाहते हैं, ये षड्यंत्र पूर्वक हमें वही समान बेच रही है। यदि हम अपने त्योहारों पर भी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं करेंगे तो फिर ये त्यौहार भी केवल विदेशी कंपनियों के द्वारा हमें लूटने का अवसर मात्र बनकर रहजाएंगें। अत: हमें सोचना होगा कि हम स्थानीय भारतीय नागरिकों से सामान खरीदकर देश की लक्ष्मी देश में ही रखना चाहते हैं या ऑनलाइन शॉपिंग द्वारा अमेजन के माध्यम से सीधे विदेश भेजना चाहते हैं। ध्यान रहे अमेजन को ईस्ट इण्डिया कंपनी 2.0 भी कहा जाने लगा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

नजरिया

गुस्से और नफरत की राह बुहारने का कारोबार

विजय विद्रोही, वरिष्ठ टीवी पत्रकार

फेसबुक अपना नाम बदल रहा है, लेकिन नफरत फैलाने के उस पर जो आरोप लग रहे हैं, क्या उससे वह पाक-साफ हो जाएगा? नफरत और गुस्सा भड़काने की इमोजी से वह मौज कर रहा है। फेसबुक पर लाइक इमोजी पोस्ट करने पर एक प्वॉइंट का वेटेज मिलता है, लेकिन नफरत व गुस्सा वाली इमोजी पोस्ट करने पर पांच प्वॉइंट का। क्या आपने कभी सोचा है कि फेसबुक नफरत और गुस्से की इमोजी पर क्यों मेहरबान है? दरअसल, दुनिया की आबादी 750 करोड़ के करीब है और फेसबुक यूजर 291 करोड़ हैं, यानी हर तीसरा आदमी फेसबुक का उपभोगकर्ता है। फेसबुक ने पिछली तिमाही (जुलाई से अगस्त) में 900 करोड़ डॉलर कमाए। लेकिन इस कमाई में नफरत फैलाने वाली, भ्रामक, झूठी खबरों की भूमिका ज्यादा रही। हैरत यह है कि फेसबुक को इस बात की पूरी जानकारी थी, लेकिन उसने रोक लगाने की कोशिश नहीं की। इसका खुलासा किया है, 38 साल की व्हिसल ब्लोअर फांसिस हेगेन ने, जो कई वर्षों तक फेसबुक में मोटी तनख्वाह पर बड़े पद पर नौकरी कर चुकी हैं। उन्होंने दर्जनों सुबूतों के साथ आरोप लगाया है कि फेसबुक ने अपना एल्गोरिद्म कुछ इस तरह का बनाया है, जो नफरत, हिंसा, घृणा फैलाने वाली पोस्ट को प्रमोट करता है। आसान शब्दों में कहें, तो फेसबुक ने देखा कि लाइक इमोजी पोस्ट करने पर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं होती, लेकिन नफरत और गुस्से वाली इमोजी पोस्ट करने पर लोग कहीं ज्यादा रिएक्ट करते हैं। यानी ज्यादा ध्यान फेसबुक पर, यानी ज्यादा विज्ञापन और इस तरह ज्यादा कमाई। तो फेसबुक ने ज्यादा कमाई के लिए नफरत-गुस्से वाली इमोजी को पांच वेटेज प्वॉइंट देने शुरू किए। एल्गोरिद्म ऐसा बनाया कि भड़काऊ पोस्ट का ज्यादा प्रचार-प्रसार हो सके। फेसबुक के ही रिसर्च विभाग ने जुलाई, 2020 में भारत में सांप्रदायिक संघर्ष भाग-एक नाम से दस्तावेज छापा। इसमें बताया गया कि दिसंबर, 2019 के बाद के महीनों में फेसबुक पर भड़काऊ सामग्री में करीब 300 फीसदी का इजाफा हुआ। उस समय दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ आंदोलन चल रहा था और फरवरी 2020 में दिल्ली में दंगे हुए थे। दिल्ली विधानसभा की एक समिति ने इन आरोपों को गंभीरता से लिया था और फेसबुक के अधिकारियों को तलब किया है। सवाल उठता है कि फेसबुक ने शुद्ध कमाई के लिए ऐसा किया या उसका कोई राजनीतिक एजेंडा भी था? व्हिसल ब्लोअर फ्रांसिस हेगेन और सोफी जांग के अनुसार, फेसबुक के पास हिंदी और बंगाली में होने वाली पोस्ट को क्लासीफाई करने वाले लोग ही नहीं हैं। वह नफरत-हिंसा फैलाने वाली पोस्ट रोकने पर जितना पैसा खर्च करता है, उसका 87 फीसदी अकेले अमेरिका पर होता है, जबकि फेसबुक के 10 प्रतिशत से भी कम उपभोगकर्ता अमेरिकी हैं, यानी 25-27 करोड़ यूजर्स पर एक रुपया में से 87 पैसे खर्च किए गए और बाकी दुनिया भर के करीब 265 करोड़ यूजर्स पर केवल 13 पैसे। अमेरिका की जितनी आबादी है, उससे ज्यादा भारत में फेसबुक यूजर्स हैं, और इनमें भी करोड़ों की तादाद हिंदी भाषियों की है, लेकिन हिंदी पोस्ट की मॉनिटरिंग के लिए क्लासीफायर की व्यवस्था नहीं की गई है। क्लासीफायर का मतलब है, एल्गोरिद्म में ऐसा सॉफ्टवेयर डालना, जो कुछ शब्दों या वीडियो के आधार पर हेट स्पीच की पहचान कर सके। फेसबुक का कहना है कि भले ही हेट स्पीच पकड़ने वाले हिंदी में क्लासीफायर न हों, लेकिन उसने 15 हजार लोगों की विशेष टीम बना रखी है, जो हेट स्पीच पर नजर रखती है, और जिसने इसी साल मार्च से अगस्त के बीच 8.77 लाख हेट स्पीच या पोस्ट की पहचान की है। लेकिन हैरत की बात है कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े संगठनों की हेट स्पीच नहीं हटाई गई। कहीं ऐसा इसलिए तो नहीं कि फेसबुक को लगा, इससे सत्तारूढ़ दल नाराज हो जाएगा और फेसबुक को भारत के बाजार में नुकसान उठाना पड़ेगा? फेसबुक के मालिक मार्क जकरबर्ग ने अमेरिका की एक संसदीय कमेटी को बताया था कि 95 फीसदी कंटेंट पर नजर रखी जाती है, पर फ्रांसेस हेगेन का कहना है कि महज पांच फीसदी कंटेंट की स्कैनिंग होती है। इतना ही नहीं, व्हिसल ब्लोअर ने इससे भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके मुताबिक, फेसबुक ने दो साल पहले भारत में दो काल्पनिक अकाउंट खोले।

अक्टूबर में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां तेज रफ्तार से बढ़ीं : पीएमआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में पिछले 10.5 साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी हैं। एक मासिक सर्वे में कहा गया है कि अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच कारोबारी गतिविधियों में सुधार से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी तेज हुई हैं। मौसमी चक्र के साथ समायोजित भारत का सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्टूबर माह में बढ़कर 58.4 पर पहुंच गया। सितंबर में यह 55.2 पर था। सर्वे में शामिल कंपनियों के अनुसार नए कारोबार में बढ़ोतरी से उत्पादन में पिछले एक दशक से भी ज्यादा में सबसे तेज वृद्धि हुई है। इसके चलते अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ। हालांकि मुद्रास्फीतिक चिंताओं के बीच कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है। लगातार तीसरे महीने सेवा क्षेत्र के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। 50 से ऊपर होने पर खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) विस्तार को दिखाता है, जबकि इससे नीचे रहने पर यह गिरावट को दर्शाता है।

आईएचएस मार्किट में सहायक निदेशक-अर्थशास्त्र, पोलिएन्ना डि लीमा ने कहा कि इस क्षेत्र में पुनरुद्धार का यह लगातार तीसरा महीना रहा। कंपनियों की गतिविधियां 10.5 साल में सबसे तेजी से बढ़ी हैं। इससे रोजगार के अधिक अवसर भी पैदा हुए हैं। लीमा ने कहा कि मूल्य के मोर्चे पर बात की जाए तो उत्पादन की लागत में तेज बढ़ोतरी हुई है लेकिन कंपनियों ने अपना शुल्क भी पिछले करीब साढ़े साल में सबसे तेजी से बढ़ाया है। सर्वे में शामिल कंपनियों ने ईंधन की ऊंची कीमत, सामग्री, खुदरा, कर्मचारियों तथा परिवहन की ऊंची लागत का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र की कंपनियों का मानना है कि मुद्रास्फीतिक दबाव से आगामी वर्ष में वृद्धि प्रभावित हो सकती है। कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है।

दिवाली पर एक घंटे के लिए होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

नई दिल्ली।

दीपावली के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार बंद रहेंगे लेकिन एक घंटे के लिए मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। क्योंकि संवत 2078 की शुरुआत हो रही है और नए साल की शुरुआत पर कोई भी नया काम करना या फिर निवेश शुभ माना जाता है। हिन्दू मान्यता के मुताबिक इस दिन शेयर बाजार में मूहुर्त ट्रेडिंग पर निवेश शुभ होता है। इसलिए हर साल दिवाली के लिए शेयर बाजार खुलता है और एक घंटे के लिए ट्रेडिंग होती है। दिवाली के दिन 4 नवंबर को शेयर बाजार में शाम 6.15 बजे से 7.15 बजे के बीच मूहुर्त ट्रेडिंग होगी। इस दौरान निवेश करना शुभ माना जाता है। उस दिन संवत 2078 शुरू होगा। इस दौरान बाजार में निवेश से सुख और समृद्धि आती है। ऐसी हिन्दू मान्यता है। अगर आप इस मौके पर निवेश करना चाहते हैं तो ब्रोकरेज हाउस सीएलआई रिसर्च और सेमको आपके लिए खास शेयर लाए हैं। इनमें लंबी अवधि का निवेश न सिर्फ आपकी कमाई को बढ़ाएगा बल्कि पोर्टफोलियो को भी बैलेंस करेगा।

10 नवंबर को खुलेगा लैटेंट व्यू का आईपीओ, मूल्य दायरा 190-197 रुपये प्रति शेयर

बिजनेस डेस्क। लैटेंट व्यू एनॉलिटिक्स ने अपने 600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 190 से 197 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 10 नवंबर को खुल रहा है। कंपनी ने बुधवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन दिन का आईपीओ 12 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक नौ नवंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के तहत 474 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा एक प्रवर्तक तथा मौजूदा शेयरधारक 126 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। बिक्री पेशकश के तहत प्रवर्तक ए विश्वनाथन वेंकटरमन 60.14 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। वहीं शेयरधारक रमेश हरिहरन 35 करोड़ रुपये और गोपीनाथ कोटेश्वरन 23.52 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश करेंगे। फिलहाल वेंकटरमन की कंपनी में 69.63 प्रतिशत, कोटेश्वरन की 7.74 प्रतिशत और हरिहरन की 9.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जूम एप पर अब यूजर्स को मीटिंग के बाद दिखाई देगा विज्ञापन

सैन फ्रांसिस्को। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप जूम पर यूजर्स को विज्ञापन दिखाई देंगे। इसके लिए कंपनी ने एक पायलट विज्ञापन कार्यक्रम शुरू किया है।विज्ञापन केवल उस ब्राउजर पेज पर रोलआउट किए जाएंगे, जिसे यूजर्स अपनी मीटिंग समाप्त करने के बाद देख सकते हैं। अभी यह कुछ देशों में यूजर्स को विज्ञापन दिखेंगे। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, हमने ध्यान से और सोच-समझकर इस विज्ञापन पायलट कार्यक्रम को लागू करने पर विचार किया है और हमने ऐसा यूजर्स की पसंद सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ किया है। कंपनी ने कहा, यूजर्स को जूम की वेबसाइट पर एक बैनर दिखाई देगा जो एक लिंक देगा, जो उन्हें हमारे कुकी मैनेजमेंट टूल पर ले जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस विज्ञापन कार्यक्रम के लिए अपने प्राइवेसी स्टेटमेंट को अपडेट किया है। जूम ने कहा, यह किसी भी मार्केटिंग, प्रचार या तीसरे पक्ष के विज्ञापन उद्देश्यों के लिए मीटिंग, वेबिनार या मैसेजिंग कंटेंट, ऑडियो, वीडियो फाइल और संदेश का यूज नहीं करेगा। कंपनी ने कहा, हम एक ऐसी सर्विस प्रोवाइड करने में अविश्वसनीय रूप से गर्व महसूस कर रहे हैं जो दुनिया भर में इतने सारे लोगों को जुड़े रहने में मदद करता है।

भारत में पब्लिक क्लाउड एंड-यूजर खर्च 2022 में 7.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

मुंबई। महामारी की शुरूआत के बाद से पब्लिक क्लाउड यूजर्स में तेजी आई है और भारत में पब्लिक क्लाउड सेवाओं पर एंड-यूजर खर्च 2022 में 7.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है, जो 2021 से 29.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गार्टनर की रिपोर्ट के अनुसार, अगले साल पब्लिक क्लाउड पर भारतीय एंड-यूजर खर्च 2021 में 34.6 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से धीमा होगा। भारतीय सीआईओ से क्लाउड सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज (आईएएएस) पर अपने क्लाउड निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। यह खंड 2022 में कुल 2.4 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2021 से 40 प्रतिशत अधिक है। आईएएएस 2022 में सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं में कुल निवेश का 32.3 प्रतिशत हिस्सा बनाएगी। गार्टनर के शोध उपाध्यक्ष सिड नाग ने कहा, भारत में, सार्वजनिक क्लाउड विकास में नीतिगत बुनियादी ढांचा एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभर रहा है। उदाहरण के लिए, हाल ही में शुरू की गई सार्वजनिक क्लाउड सरकार की पहल छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए उपयोगी साबित होगी या जो इस तकनीक से लाभान्वित होने के लिए क्लाउड अपनाने के शुरूआती चरण में हैं।

एसबीआई के शुद्ध लाभ में हुई 69 प्रतिशत की बढ़ोतरी

बिजनेस डेस्क। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 69 प्रतिशत बढ़कर 8,889.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने 5,245.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान एसबीआई समूह की कुल आय बढ़कर 1,01,143.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 95,373.50 करोड़ रुपये थी। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ तिमाही के दौरान 67 प्रतिशत के उछाल के साथ 6,504 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,574.16 करोड़ रुपये था। एकल आधार पर बैंक की कुल आय बढ़कर 77,689.09 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 75,341.80 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कुल ऋण पर घटकर 4.90 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 5.28 प्रतिशत थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए भी 1.59 प्रतिशत से घटकर 1.52 प्रतिशत रह गया।

तीसरी तिमाही में वैश्विक पीसी बाजार में लेनोवो की बढ़त कायम, एप्पल दूसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लेनोवो ने वैश्विक स्तर पर कुल पीसी बाजार (डेस्कटॉप, नोटबुक और टैबलेट सहित) में अपनी बढ़त बनाए रखी। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में 1 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और तीसरी तिमाही में 24.4 मिलियन यूनिट की शिपिंग हुई। नई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई।2.3 करोड़ यूनिट के कुल शिपमेंट में 5 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ एप्पल दूसरे स्थान पर रहा। मार्केट रिसर्च फॉर्म कैनालिस के ताजा आंकड़ों के अनुसार, एचपी ने आपूर्ति बाधाओं के प्रभाव को महसूस किया, वार्षिक शिपमेंट में 6 प्रतिशत की गिरावट के साथ और चौथे स्थान पर, डेल ने शिपमेंट में 27 प्रतिशत की वृद्धि और बाजार हिस्सेदारी में लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सैमसंग ने शीर्ष पांच को पूरा किया, जैसा कि उसने 2021 की दूसरी तिमाही में किया था। दुनिया भर में पीसी शिपमेंट (टैबलेट सहित) 2 प्रतिशत (ऑन-ईयर) गिरकर 122.1 मिलियन यूनिट हो गया। हालांकि, 2019 की तीसरी तिमाही से दो साल के सीएजीआर 10 प्रतिशत के साथ शिपमेंट पूर्व-महामारी के स्तर से काफी ऊपर है। कैनालिस की विश्लेषक हिमानी मुक्का ने कहा, अपनी शानदार वृद्धि की लकीर के अंत के बावजूद, टैबलेट बाजार मजबूत बना हुआ है, जो कि महामारी से पहले की गिरावट की लंबी अवधि को देखते हुए है।लगातार पांच विकास तिमाहियों के बाद, एशिया प्रशांत को छोड़कर सभी क्षेत्रों को शिपमेंट में गिरावट का सामना करना पड़ा। मुक्का ने कहा, यह भी ध्यान देने योग्य है कि टैबलेट के लिए लंबे रिफ्रेश साइकल के बावजूद, पिछले 18 महीनों में स्थापित बेस बढ़ गया है। भले ही कई लोग आने वाले वर्षों में अपने टैबलेट को अपग्रेड नहीं करना चुनते हैं, फिर भी 2020 से पहले शिपमेंट वॉल्यूम को अपेक्षा से ऊपर उठाया जाना तय है। लगातार विकास तिमाहियों की एक कड़ी के बाद टैबलेट और क्रोमबुक दोनों नीचे थे। टैबलेट शिपमेंट 15 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) गिरकर 37.7 मिलियन यूनिट हो गया, क्योंकि अधिकांश क्षेत्रों में उपभोक्ता और शिक्षा के उपयोग के मामलों का समर्थन करने के लिए टैबलेट की आवश्यकता कम हो गई। शिपमेंट में 37 प्रतिशत की गिरावट के साथ, मुख्य रूप से अमेरिका में शिक्षा खर्च में मंदी के कारण क्रोमबुक को और भी अधिक गिरावट का सामना करना पड़ा। तीसरी तिमाही में कुल क्रोमबुक शिपमेंट 5.8 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। सैमसंग 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद दूसरे स्थान पर रहा, कंपनी ने तीसरी तिमाही में 7.2 मिलियन यूनिट की शिपिंग की। क्रोमबुक बाजार में भारी गिरावट आई, तीसरी तिमाही में शिपमेंट में साल-दर-साल 37 प्रतिशत की गिरावट (तिमाही पर 52 प्रतिशत तिमाही) थी। कैनालिस रिसर्च एनालिस्ट ब्रायन लिंच ने कहा, शिक्षा बाजार पर क्रोम के फोकस का मतलब है कि यह किसी बिंदु पर धीमा होना तय था।

धनतेरस पर मारूति की बिक्री की रफ्तार घटी, टाटा मोटर्स ने बेचे 94 प्रतिशत ज्यादा वाहन

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सेमीकंडक्टर संकट की वजह से इस साल धनतेरस पर देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी की बिक्री घटकर 13,000 इकाई रह गई। हालांकि, इस दौरान टाटा मोटर्स की बिक्री में 94 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने मंगलवार को कहा था कि मौजूदा त्योहारी सीजन वाहन कंपनियों के लिए पिछले एक दशक में सबसे खराब रहा है। चिप की कमी से यात्री वाहनों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे एसयूवी, कॉम्पैक्ट एसयूवी और लग्जरी खंड में वाहनों की कमी हो गई है। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मांग और बुकिंग अच्छी है। हमने ज्यादा से ज्यादा वाहनों की आपूर्ति का प्रयास किया। लेकिन आपूर्ति संबंधी दिक्कतों की वजह से हमारी बिक्री पिछले साल से कुछ कम रही है। हमने 13,000 इकाइयों की बिक्री की।'' हालांकि, घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स के लिए इस साल धनतेरस काफी अच्छा रहा है। टाटा मोटर्स की यात्री वाहन कारोबार इकाई के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ''धनतेरस के शुभ दिन पिछले साल की तुलना में हमारी आपूर्ति लगभग दोगुना रही। हमारी नई फोरएवर श्रृंखला के अलावा पंच और इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की मांग देशभर में काफी अच्छी रही। हमारी आपूर्ति में 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।''

हालांकि, उन्होंने वाहन बिक्री के आंकड़े नहीं दिए।

बहु-ब्रांड प्रमाणीकृत पुरानी कारों की बिक्री करने वाली महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स ने कहा कि उसने धनतेरस पर 300 से अधिक शहरों में 1,000 से अधिक डीलरशिप पर रिकॉर्ड 1,028 वाहनों की आपूर्ति की। महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशुतोष पांडेय ने कहा, ''इस त्योहारी सीजन में हमारे ब्रांड ने 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कुल बिक्री में हमारे ई-कॉमर्स मंच का योगदान 25 प्रतिशत का रहा।'' एमजी मोटर ने कहा कि उसने धनतेरस पर अपनी मध्यम आकार की एसयूवी एस्टर की 500 इकाइयों की आपूर्ति की।

फाडा के सदस्यों में 15,000 से अधिक वाहन डीलर शामिल हैं। इन सदस्यों के देशभर में 26,500 से अधिक शोरूम हैं। फाडा के अध्यक्ष विन्केश गुलाटी ने कहा कि चिप की कमी से यात्री वाहन खंड में आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, ''यह वाहन खुदरा क्षेत्र के लिए पिछले एक दशक का सबसे खराब त्योहारी सीजन रहा है। चिप की कमी से यात्री वाहन खंड में आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे एसयूवी, कॉम्पैक्ट एसयूवी और लग्जरी खंड में वाहनों की काफी कमी हो गई है।''

आईबीसी के तहत दावों का सिर्फ एक-तिहाई ही वसूल हुआः क्रिसिल

मुंबई (एजेंसी)

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि पांच साल पहले दिवालिया संहिता लागू होने के बाद से दिवालिया घोषित होने वाली कंपनियों के सिर्फ एक-तिहाई वित्तीय दावों की ही वसूली हो पाई है। क्रिसिल के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में सिर्फ 2.5 लाख करोड़ रुपये की ही वसूली होने से ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के तहत चलाई जाने वाली समाधान प्रक्रिया पर अधिक जोर देने की जरूरत है, ताकि इसे ज्यादा कारगर बनाया जा सके। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने यह माना है कि यह कानून लागू होने के बाद से हालात कर्जदारों के बजाय ऋणदाताओं के अनुकूल हुए हैं। क्रिसिल ने बयान में कहा, 'आंकड़ों पर करीबी निगाह डालने पर पता चलता है कि वसूली या रिकवरी की दर और समाधान में लगने वाले समय में अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। यह संहिता को लगातार मजबूत बनाने और समग्र पारिस्थितिकी को स्थिरता देने के लिहाज से बेहद जरूरी है। रेटिंग एजेंसी का यह बयान इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि बड़े मूल्य के बकाया राशि वाले मामलों में करीब पांच प्रतिशत की ही वसूली होने से चिंताएं बढ़ी हैं। दरअसल, शुरुआती दौर में बकाये की वसूली दर कहीं ज्यादा थी। क्रिसिल का मानना है कि आईबीसी कानून लागू करने के पीछे के दो अहम उद्देश्य- रिकवरी को अधिकतम करना और समयबद्ध समाधान को पूरा करने में नतीजा मिलाजुला ही रहा है। ''सिर्फ कुछ बड़े मामलों में ही ज्यादा वसूली हो पाई है। अगर हम कर्ज समाधान मूल्य के लिहाज से शीर्ष 15 मामलों को अलग कर दें तो बाकी 396 मामलों में वसूली दर 18 प्रतिशत रही है।इसके अलावा समाधान में लगने वाला औसत समय भी 419 दिन रहा है जबकि संहिता में इसके लिए अधिकतम 330 दिन की समयसीमा तय है। अभी तक जिन मामलों का समाधान नहीं हो पाया है उनमें से 75 प्रतिशत 270 दिन से ज्यादा समय से लंबित हैं।क्रिसिल के निदेशक नितेश जैन ने कहा, वसूली दर कम रहने और समाधान में ज्यादा समय लगने के अलावा एक बड़ी चुनौती परिसमापन के लिए जा रहे मामलों की बड़ी संख्या भी है।

एलन मस्क ने कहा- टेस्ला ने हट्र्ज के साथ नहीं किया कोई अनुबंध

सैन फ्रांसिस्को।

टेक अरबपति एलन मस्क ने कहा कि रेंटल कार कंपनी द्वारा एक सौदे की घोषणा के बाद हट्र्ज के साथ कोई अनुबंध नहीं किया गया है, जिसके कारण टेस्ला का बाजार मूल्य 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया। मीडिया रिपोर्टें में इसकी जानकारी दी गई। बीबीसी के अनुसार, पिछले हफ्ते टेस्ला के शेयरों में 12.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जब हट्र्ज ने कहा कि उसने 2022 के अंत तक 100,000 वाहनों का ऑर्डर दिया था। टेस्ला के सीईओ ने ट्वीट किया, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि अभी तक किसी अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।इस बीच हट्र्ज ने बीबीसी को बताया कि टेस्ला की डिलीवरी पहले ही शुरू हो चुकी है। एक प्रवक्ता ने कहा, जैसा कि हमने पिछले हफ्ते घोषणा की थी, हट्र्ज ने 100,000 टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहनों का शुरूआती ऑर्डर दिया है और कंपनी के वैश्विक परिचालन में नए ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर रहा है। मस्क के ट्वीट के आलोक में हट्र्ज ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि टेस्ला के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे या नहीं, यह कहते हुए कि इसने अपने व्यावसायिक संबंधों या चर्चाओं के विवरण पर चर्चा नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते हट्र्ज द्वारा टेस्ला के साथ घोषित सौदा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे बड़ा रेंटल कार ऑर्डर था। हट्र्ज के अंतरिम बॉस मार्क फील्ड्स ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहन अब मुख्य धारा में हैं, और हमने केवल बढ़ती वैश्विक मांग और रुचि को देखना शुरू किया है। यह बताया गया कि हट्र्ज अगले 14 महीनों में 100,000 मॉडल 3एस के लिए 4.2 बिलियन डॉलर का भुगतान करेगा, जो कि इसके बेड़े का लगभग पांचवां हिस्सा है। रेंटल फर्म चार्जिंग स्टेशनों का एक नेटवर्क भी बनाएगी। हट्र्ज ने कहा कि नवंबर की शुरूआत में और साल के अंत तक विस्तार ग्राहक अमेरिका और यूरोप के कुछ क्षेत्रों में हट्र्ज हवाईअड्डे और पड़ोस के स्थानों पर टेस्ला मॉडल 3 किराए पर ले सकेंगे।

ई-बैंड 5जी सर्विस के लिए नोकिया वोडाफोन आइडिया ने की पार्टनरशिप

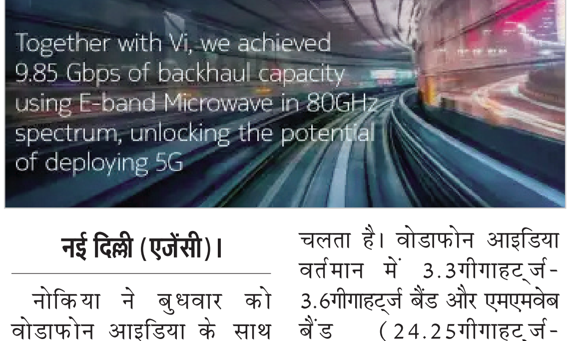

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नोकिया ने बुधवार को वोडाफोन आइडिया के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत ई-बैंड के जरिए 5जी सेवाओं का परीक्षण उन क्षेत्रों में किया जाएगा, जहां फाइबर को तैनात करना चुनौतीपूर्ण है। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा, हम उन क्षेत्रों में जहां फाइबर को तैनात करना चुनौतीपूर्ण है, ई-बैंड के माध्यम से फाइबर जैसी गति के साथ 5जी सेवाएं देने के लिए परीक्षण में वीआई के साथ साझेदारी करके खुश हैं। परीक्षण के लिए, ब्रांड ने ई-बैंड (60गीगाहट्र्ज से 90गीगाहट्र्ज) स्पेक्ट्रम के माध्यम से फाइबर जैसी गति के साथ छोटी कोशिकाओं और मैक्रोसेल्स को जोड़ा है। फर्म ने कहा, वीआई के साथ, हमने 80गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम में ई-बैंड माइक्रोवेव का उपयोग करके 9.85 जीबीपीएस बैकहॉल क्षमता हासिल की, जिससे 5जी की वास्तविक क्षमता का पता चलता है। वोडाफोन आइडिया वर्तमान में 3.3गीगाहट्र्ज-3.6गीगाहट्र्ज बैंड और एमएमवेब बैंड (24.25गीगाहट्र्ज-28.5गीगाहट्र्ज) में ट्रायल स्पेक्ट्रम का उपयोग करके भारत में 5जी परीक्षण कर रही है।वीआई को 5जी नेटवर्क परीक्षणों के लिए पारंपरिक 3.5 गीगाहट्र्ज़ स्पेक्ट्रम बैंड के साथ, डीओटी द्वारा 26 गीगाहट्र्ज़ जैसे एमएमवेव उच्च बैंड आवंटित किए गए हैं। इससे पहले, वोडाफोन आइडिया ने कहा था कि उसने पुणे में चल रहे 5जी परीक्षणों के दौरान 3.7 जीबीपीएस से अधिक की चरम गति हासिल की है। कंपनी ने गांधीनगर और पुणे में 3.5 गीगाहट्र्ज बैंड 5जी ट्रायल नेटवर्क में 1.5 जीबीपीएस तक की पीक डाउनलोड स्पीड हासिल करने का भी दावा किया है। दूरसंचार विभाग ने मई में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन के आवेदनों को मंजूरी दी थी और बाद में एमटीएनएल ने 5जी परीक्षण के लिए आवेदन किया था।

अफगान अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए तालिबान ने विदेशी मुद्राओं पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान ने अफगानिस्तान में विदेशी मुद्राओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि उसका यह फैसला युद्धग्रस्त देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ला सकता है। बीबीसी ने यह जानकारी दी। तालिबान ने कहा, देश में आर्थिक स्थिति और राष्ट्रीय हितों के लिए जरूरी है कि सभी अफगान अपने हर व्यापार में अफगानी मुद्रा का इस्तेमाल करें। अगस्त में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता वापस लेने के कारण खराब अर्थव्यवस्था से जूझ रही है। अफगानिस्तान के बाजारों में अमेरिकी डॉलर का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। डॉलर का उपयोग अक्सर पाकिस्तान जैसे अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों की सीमा से लगे क्षेत्रों में व्यापार के लिए भी किया जाता है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, इस्लामिक अमीरात सभी नागरिकों, दुकानदारों, व्यापारियों और आम जनता को निर्देश देता है कि अब से अफगानियों में सभी लेनदेन करें और विदेशी मुद्रा का उपयोग करने से सख्ती से परहेज करें। बयान में कहा गया, इस आदेश का उल्लंघन करने वाले को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त में तालिबान द्वारा देश पर नियंत्रण करने के बाद, अफगानिस्तान की अरबों डॉलर की विदेशी संपत्ति अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोप में केंद्रीय बैंकों द्वारा जब्त कर ली गई थी। डिप्टी यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी वैली अडेमो ने पिछले महीने सीनेट बैंकिंग कमेटी को बताया था कि हम मानते हैं कि यह आवश्यक है कि हम तालिबान के खिलाफ अपने प्रतिबंधों को बनाए रखें, लेकिन साथ ही साथ अफगान लोगों को वैध मानवीय सहायता प्राप्त करने के तरीके खोजें।

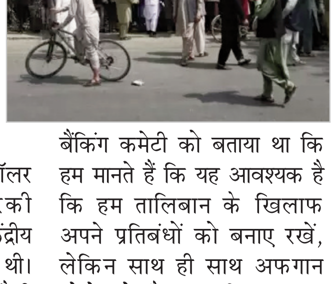

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गावस्कर ने आईपीएल का किया समर्थन

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद जहां कई लोगों ने इसके लिए आईपीएल को जिम्मेदार माना है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि आईपीएल दुनिया का सबसे बड़ा घरेलू टूर्नामेंट होने के साथ ही इस प्रकार आयोजित किया जाता है कि विश्व कप भी इसके सामने फीका लग रहा है। गावस्कर ने आईपीएल का समर्थन करते हुए कहा कि आईपीएल को लेकर जबरन बयानबाजी की जा रही है। उन्होंने कहा, हमारा आईपीएल दुनिया का सबसे अच्छा घरेलू टूर्नामेंट है। आईपीएल से बड़ा कुछ नहीं है। यहां तक कि विश्व कप भी इसके सामने फीका नजर आता है। बहुत से लोग कहेंगे कि वे विश्व कप का अधिक आनंद नहीं ले रहे हैं। लोग शुरू से ही कहते आ रहे हैं कि टी20 विश्व कप से आईपीएल या ऐसी स्थानीय टी20 लीग का करिश्मा गायब है। टी20 विश्व कप में अपने प्रदर्शन को लेकर भारतीय टीम की काफी आलोचना हो रही है जबकि खिलाड़ी बाहरी दुनिया में कही और लिखी जा रही बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में गावस्कर को लगता है कि कभी-कभी खिलाड़ियों को सुनना चाहिए कि क्या गलत हो रहा है। गावस्कर ने आगे कहा, कभी-कभी बाहरी दृष्टिकोण मदद करता है। एक बाहरी दृष्टिकोण जिस पर आप विचार कर सकते हैं लेकिन कई बाहर की बातों का असर सही तरह से पड़ता है।

सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीतना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

दुबई (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम मौजूदा टी-20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए यहां गुरूवार को बंगलादेश के खिलाफ ग्रुप एक के मुकाबले में किसी भी हाल में जीत हासिल करना चाहेगी। दोनों टीमों की स्थिति फिलहाल एक-दूसरे से बहुत अलग है। ऑस्ट्रेलिया जहां तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ चार अंक लेकर सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है, वहीं बंगलादेश चार के चार मैच हार कर अंक तालिका में सबसे नीचे है और टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। बंगलादेश के लिए अपने लीग के इस आखिरी मैच में खोने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए वह ऑस्ट्रेलिया का खेल बिगाड़ सकता है। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के लिए इस मैच में बहुत कुछ दांव पर होगा, इसलिए वह किसी भी हाल में यह मैच जीत कर दो महत्वपूर्ण अंक हासिल करना चाहेगा, जो उसे दक्षिण अफ्रीका के बराबर लाएंगे। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 3.30 बजे यह मैच खेला जाएगा। कल के डबल हेडर का यह पहला मुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया के पास इस मैच में बंगलादेश से हाल ही में उससे टी-20 सीरीज हार का बदला लेने का भी मौका होगा। दरअसल ऑस्ट्रेलिया को बीते अगस्त में पांच मैचों की टी-20 सीरीज में बंगलादेश से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। पहली पसंद के खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज में संघर्ष करती नजर आई थी, जबकि बंगलादेश का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा था। ओवरऑल आंकड़ों की बात करें तो दोनों टीमों के बीच नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें पांच ऑस्ट्रेलिया और चार बंगलादेश ने जीते हैं। बंगलादेश के लिए ये चार जीत हाल ही में समाप्त टी-20 सीरीज की ही हैं। टी-20 विश्व कप में भी ऑस्ट्रेलिया बंगलादेश पर हावी रहा है। इस छोटे प्रारूप के विश्व कप में अब तक हुए चार मैचों में ऑस्ट्रेलिया ने बंगलादेश को हराया है।

मायूस हो गए सुजीत मान, कहा... नाम कटने से टूटता है मनोबल

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

एक दशक से राष्ट्रीय कुश्ती टीम के साथ कोच पद की जिम्मेदारी संभाल रहे गुरु हनुमान अखाड़े के जाने माने कोच सुजीत मान का नाम इस साल द्रोणाचार्य पुरस्कार दिए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची से कट गया है जिससे उन्हें भारी निराशा हुई है। 43 साल के सुजीत को हाल ही में जब द्रोणाचार्य पुरस्कार देने की सिफारिश हुई थी तब उन्होंने इस पुरस्कार को गुरु हनुमान और अपने दादा जी को समर्पित किया था। लेकिन मंगलवार रात जब खेल मंत्रालय ने नामों की आधिकारिक घोषणा की तो पुरस्कार सूची में अपना नाम न पाए जाने पर सुजीत बेहद निराश हो गए। द्रोणाचार्य पुरस्कार न मिलने के सन्दर्भ में उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर उन्होंने इतना ही कहा, 'मुझे बहुत दुःख हुआ है। ऐसा करने से किसी भी खिलाड़ी का मनोबल गिरता है।% सुजीत आज तड़के भारतीय टीम के कोच के रूप में अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने सर्बिया रवाना हुए हैं।

सुजीत ने पिछले साल किसी सक्रिय मौजूदा कोच के नाम की द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए सिफारिश नहीं किये जाने पर नाराजगी जताई थी। कुश्ती इस समय देश का एकमात्र ऐसा खेल है, जिसमें भारत ने पिछले चार ओलंपिक में लगातार पदक जीते हैं। इस साल टोक्यो ओलम्पिक में भारत ने कुश्ती में दो पदक रवि दहिया ने रजत और बजरंग ने कांस्य पदक जीता था। पिछले वर्ष खुद सुजीत का लगातार तीसरे वर्ष द्रोणाचार्य के लिए नाम गया था लेकिन नियमों के अनुसार सर्वाधिक अंक होने के बावजूद उन्हें एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया था। इस बार पुरस्कार समिति ने उनके नाम की द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए सिफारिश की लेकिन उनका नाम सूची में से कट गया है। सुजीत ने कहा कि उन्हें पता चला है कि खेल मंत्री ने उनका नाम काटा है। उन्होंने कहा कि भारतीय पहलवानों ने टोक्यो ओलम्पिक में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन किसी भी कोच को लाइफ टाइम और नियमित वर्ग में द्रोणाचार्य पुरस्कार न देना हैरान करता है।

पेरिस मास्टर्स के शुरुआती मैच में जोकोविच ने हासिल की जीत

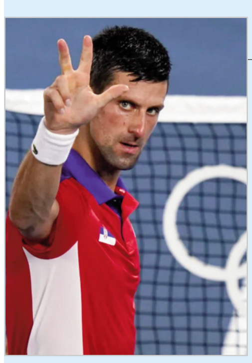

पेरिस।

पांच बार के पेरिस मास्टर्स चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सितंबर में यूएस ओपन के फाइनल में रूस के डेनियल मेदेवदेव से हारने के बाद से यहां अपने एकल गेम में संघर्ष करते हुए जीत हासिल की और हंगरी के मार्टन फुस्कोविक्स को 6-2, 4-6, 6-3 से हरा दिया। विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने कहा कि दुनिया के नंबर 2 मेदवेदेव से यूएस ओपन की फाइनल हारने के बाद लगभग दो महीने बाद कोर्ट पर वापस आकर खुशी हुई। जिन्होंने सितंबर में अपना पहला मेजर जीता था और जोकोविच को रिकॉर्ड 21वें मेजर से बाहर कर दिया गया था, जो स्पेन के राफेल नडाल और स्विस के रोजर फेडरर के साथ टाई हुआ था।नडाल, फेडरर और जोकोविच के पास 20-20 मेजर्स मौजूद हैं।जोकोविच ने कहा, लगभग दो महीने बाद किसी प्रतियोगिता के कोर्ट पर वापसी करके बहुत अच्छा लगा। मैंने मैच से पहले कोई उम्मीद नहीं की थी लेकिन मुझे पता था कि यह एक आसान मैच नहीं होने वाला था। मार्टन एक बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी है, उनमें बहुत से गुण हैं। हम दोनों के बीच अच्छा मुकाबला रहा। उन्होंने कहा, मैं उनके सर्व को नहीं तोड़ पाया, वह बहुत धर्य और सटीकता के साथ खेल रहे थे। यह मेरे लिए एक शानदार ओपनिंग मैच था। मैं बहुत खुश हूं।

मुश्ताक अली ट्राफी : भारतीय चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजी आलराउंडर पर

मुंबई (एजेंसी)।

हार्दिक पंड्या की रहस्यमय चोट से कड़ा सबक सीखने के बाद राष्ट्रीय चयनकर्ता गुरुवार से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के दौरान तेज गेंदबाजी आलराउंडरों पर कड़ी नजर रखेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के दौरान भी फेंचाइजी तेज गेंदबाजी आलराउंडरों पर बड़ी धनराशि लगा सकती हैं। हार्दिक अब पहले जैसे आलराउंडर नहीं रहे क्योंकि पीठ का उनका दर्द उन्हें लगातार परेशान कर रहा है। मौजूदा टी20 विश्व कप में हार्दिक की गेंदबाजी को लेकर काफी चर्चा हुई है। उन्हें भारतीय टीम में एक ऑलराउंडर के रूप में चुना गया था, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की और न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल दो ओवर किये जिसमें उन्होंने 17 रन दिये। उन्होंने इससे पहले आईपीएल में भी गेंदबाजी नहीं की थी। इसलिए चयनकर्ता अब केवल हार्दिक पर निर्भर नहीं रह सकते हैं और उन्हें संभावित विकल्पों को देखना होगा। ऐसे में मुश्ताक अली ट्रॉफी विजय शंकर (तमिलनाडु), शिवम दुबे (मुंबई) और वेंकटेश अय्यर (मध्य प्रदेश) के लिए चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का अच्छा मंच प्रदान करेगी। यहां तक कि सौराष्ट्र के 31 वर्षीय चिराग जानी भी अच्छा विकल्प हो सकते हैं। उनके प्रदर्शन पर भी चयनकर्ताओं की निगाह होगी। चयन समिति राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट में स्पिन गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी नजर रखेगी, क्योंकि वर्तमान में राष्ट्रीय टीम में शीर्ष पांच विशुद्ध बल्लेबाज हैं। इससे क्रुणाल पांड्या के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं का ध्यान रहेगा। ऐसे में यदि पृथ्वी सॉव ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हुए दिखें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा सभी खिलाड़ी एक अच्छा प्रदर्शन करने करके अगले साल की आईपीएल नीलामी में अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेंगे। महाराष्ट्र के बेहद प्रतिभाशाली कप्तान रुतुराज गायकवाड़, कर्नाटक के देवदत्त पडक्कल और रविकुमार समर्थ तथा तमिलनाडु के एन जगदीसन, सी हरि निशांत जैसे खिलाड़ी बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे। यही नहीं ऋद्धिमान साहा और अंजिक्य रहाणे जैसे सीनियर खिलाड़ी भी अपना दावा मजबूत करने के लिये प्रतिबद्ध होंगे। इस चैंपियनशिप में इस बार टीमों को पांच एलीट ग्रुप और एक प्लेट ग्रुप में बांटा गया है। कोविड-19 महामारी के कारण टूर्नामेंट लगातार दूसरे वर्ष बायो-बबल में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिच मार्श को मौका देना जरूरी: गिलक्रिस्ट

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हरा दिया था। इस पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने गुरुवार को कहा है कि टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को और अधिक रन बनाने होंगे। इसके साथ ही मिच मार्श को टीम में मौका देने की बात कही हैं। शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पहले नंबर 3 पर मार्श को मौका देना जरूरी है क्योंकि वेस्टइंडीज के साथ हुए रोमांचक मुकाबले में उनकी कमी खली। ऑस्ट्रेलिया को इयोन मोर्गन की टीम ने आठ विकेट से हरा दिया। बल्लेबाज जोस बटलर ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी खेलकर 11.4 ओवर में ही मैच को खत्म कर दिया था। गिलक्रिस्ट ने बुधवार को स्पोर्ट्स रेडियो स्टेशन (सेन व्हाटली) से कहा, मैं मिच मार्श को तीसरे नंबर पर मौका देने की पक्ष में हूं।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : जसप्रीत बुमराह ने लगाई 10 पायदान की छलांग

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की पुरुष टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर 23वें नंबर पर पहुंच गए जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 10 पायदान की छलांग लगाकर 24वां स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम लगातार दो अर्धशतक जमाने के कारण ताजा बल्लेबाजी सूची में इंग्लैंड के डेविड मलान की जगह नंबर एक बल्लेबाज बन गये हैं। वह अपने करियर में छठी बार शीर्ष पर पहुंचे हैं। वह अभी वनडे में भी नंबर एक बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों का टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन का असर रैंकिंग में भी देखने को मिला। जोस बटलर आठ पायदान ऊपर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नौवीं रैंकिंग पर पहुंच गये जबकि जैसन राय पांच पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ तीन-तीन विकेट लेने के कारण श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा अपने करियर में पहली बार गेंदबाजों की सूची में नंबर एक पर काबिज हुए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी की जगह ली है जो अप्रैल से शीर्ष पर काबिज थे। गेंदबाजों की सूची में शीर्ष चार स्थानों पर कलाई के स्पिनर काबिज हैं। हसरंगा और शम्सी के बाद इंग्लैंड के आदिल राशिद और अफगानिस्तान के राशिद खान का नंबर आता है। तेज गेंदबाजों में दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्त्जे 18 पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। आलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के समान 271 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। हसरंगा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कप्तान मनप्रीत सिंह को बुधवार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हॉकी इंडिया ने बधाई दी। यह भारत में एक खिलाड़ी को दिए जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। टोक्यो ओलंपिक में श्रीजेश ने एक असाधारण प्रदर्शन करते हुए टीम को ओलंपिक कांस्य पदक जीतने में अहम योगदान दिया था। उन्हें इस योगदान के लिए एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार 2020/21 भी दिया गया था। वहीं, मनप्रीत की कप्तानी में भारत 41 साल बाद ओलंपिक में पदक जीत सका। ओलंपिक में असाधारण प्रदर्शन करने पर पूरी भारतीय हॉकी टीम को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसमें रूपिंदर पाल सिंह, सुरेंद्र कुमार, बीरेंद्र लकड़ा, हरमनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, अमित रोहिदास, सुमित, गुरजंत सिंह, वरुण कुमार और सिमरनजीत सिंह शामिल हैं। वहीं, भारतीय महिला हॉकी टीम में अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया और मिडफील्डर मोनिका को भी अर्जुन पुरस्कार के लिए मनोनित किया गया है। वंदना और मोनिका दोनों 2016 के रियो ओलंपिक के साथ-साथ टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिला हॉकी टीम का हिस्सा थीं, जहां टीम ने शानदार खेल से करोड़ों भारतीय का दिल जीता और इतिहास रच दिया।पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और दिग्गज कोच सरपाल सिंह को लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया हैं, साथ ही पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान और कोच प्रीतम सिवाच को भी द्रोणाचार्य के लिए मनोनीत किया गया हैं।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मिल्स टी20 विश्व कप के अगले मैच में नहीं खेलेंगे

दुबई (एजेंसी)।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप क्रिकेट के अगले मैच में नहीं खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में मिल्स केवल 9 गेंद ही कर पाये थे। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इंग्लैंड टीम को अब सुपर-12 के अंतिम मुकाबले में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से मुकाबले के लिए मिल्स की जगह किसी अन्य खिलाड़ी का चयन करना होगा। मिल्स की जांघ में चोट लगी है। मिल्स की जगह पर रिसी टॉप्ले, जेम्स विंस और लियाम डाउसन जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में मिल्स लेग स्पिनर आदिल राशिद के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 पर हैं। इन दोनों ने ही 7-7 विकेट लिए हैं। मिल्स को साल 2017 के बाद इंग्लैंड की टीम में जगह मिली थी पर वह अपने करियर में अब तक चोट से परेशान रहे हैं. इस विश्व कप से पहले भी वह तीन महीने बाद चोट के कारण बाहर रहे थे। मिल्स के बाहर होने से डेथ ओवर्स में टीम की गेंदबाजी प्रभावित होगी। अब उनकी जगह सैम करेन, मार्क वुड और डेविड विली में से किसी एक को प्लेइंग-11 में जगह मिल सकती है। मार्क वुड ने इस विश्व कप में अब तक कोई मैच नहीं खेला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे अभ्यास मैच में वह चोटिल हो गए थे। उन्होंने शारजाह में टीम के साथ अभ्यास नहीं किया था। वहीं सैम करेन ने अभ्यास के दौरान गेंदबाजी की थी।

मर्रे पेरिस मास्टर्स टेनिस से बाहर हुए

पेरिस । ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मर्रे पेरिस मास्टर्स टेनिस के एकल मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। मर्रे को पहले ही दौर में मैच अंक खोने के कारण जर्मनी के डोमिनिक कोफर ने हराया। इस मैच में मर्रे की सर्विस अच्छी नहीं थी और इसका नुकसान उन्हें हुआ। कोफर ने उन्हें 6-4, 5-7, 7-6 से हराया। मर्रे को इस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश मिला था। इस साल वह 26 मैचों में से 13 हारे और 13 जीते हैं। उन्हें पहले अमेरिकी क्वालीफायर जेंसन ब्रूक्सबी से खेलना था जो पेट में दर्द के कारण नहीं खेल पाये और उनकी जगह कोफर उतरे। इस मैच में मर्रे पहला सेट 6-4 से हार गये पर दूसरे सेट में उन्होंने पूरी ताकत लगा दी और उसे 7-5 से जीत लिया। तीसरा और निर्णायक सेट उतार-चढ़ाव वाला रहा, जहां मर्रे एक समय 5-4 से आगे थे हालांकि मर्रे अपने अनुभव का फायदा नहीं उठा सके और कोफर ने मैच अंक बचाते-बचाते सेट और मैच अपने नाम कर लिया। वहीं एक अन्य मैच में ब्रिटेन के ही कैमरन नॉरी ने अर्जेंटीना के फेडरिको डेलबोनिस को 6-2, 6-1 से हराया।

श्रीलंका के खिलाफ अपनी धुंधली उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगा वेस्टइंडीज

अबुधाबी (एजेंसी)।

मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज को अगर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसको बल्लेबाजी की अपनी कमजोरियों को दूर करके श्रीलंका के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पहले दो मैचों में हार के बाद वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन रन की करीबी जीत से अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। दो बार के चैंपियन की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बेहद धूमिल हैं लेकिन उसे अभी दौड़ से बाहर नहीं किया जा सकता है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए न सिर्फ अगले दोनों मैच में जीत दर्ज करनी होगी बल्कि नेट रन रेट में सुधार के लिये बड़े अंतर से मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उसे अन्य मैचों में अपने अनुकूल परिणामों के लिये भी प्रार्थना करनी होगी। वेस्टइंडीज अगर अपने दोनों मैच जीत लेता तथा है इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो फिर तीन टीमों के समान छह अंक हो सकते हैं और ऐसे में नेट रन रेट काफी मायने रखेगा। ग्रुप एक से इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर चुका है। दूसरी तरफ 2014 का चैंपियन श्रीलंका ने पिछले तीनों मैच गंवाए हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। वह अधिक से अधिक अब चार अंक ही बना सकता है जो कि उसके आगे बढ़ने के लिये पर्याप्त नहीं हैं। वेस्टइंडीज अगर बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज कर पाया तो इसका श्रेय उसके आलराउंडर ड्वेन ब्रावो, जैसन होल्डर और आंद्रे रसेल को जाता है जिन्होंने डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की। उसके गेंदबाजों ने दिखाया कि वे अच्छे स्कोर का बचाव करने में सक्षम हैं। लेकिन वेस्टइंडीज की सबसे बड़ी चिंता उसकी बल्लेबाजी है। उसके बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ यदि निकोलस पूरण ने 22 गेंदों पर 40 रन की पारी नहीं खेली होती तो वेस्टइंडीज उस मैच को भी गंवा बैठता। उसके बल्लेबाजों को अब श्रीलंका के स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्ष्णा से निबटने के लिये बेहतर तैयारियों के साथ मैदान पर उतरना होगा। श्रीलंका के तेज गेंदबाज चमिका करुणारत्ने, दुशमंत चमीरा और लाहिरू कुमारा इंग्लैंड के खिलाफ नहीं चल पाये थे। उन्हें सही स्थानों पर गेंदबाजी करने की जरूरत है। श्रीलंका के बल्लेबाजों को भी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ उसके कम से कम छह बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे। सलामी बल्लेबाज कुसाल परेरा भले ही पिछले मैच में नाकाम रहे थे लेकिन कैरेबियाई गेंदबाजों को उनसे सतर्क रहना होगा।

स्पेन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

दीपावली रोशनी और उल्लास का पर्व है, शोर और धुएं का नहीं। त्योहार मनाइए, पर अपनी सेहत, सुरक्षा और दूसरों को अनदेखा करके नहीं।

पटाखों से नहीं दीपों से मनाएं जगमग दीपावली

पौराणिक गाथाओं से लेकर भारतीय संस्कृति में दीपों के त्योहार दीपावली को सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रीराम वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। श्रीराम के आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने खुशियां मनाई थीं। इस दिन रोशनी से पूरा जग चमक उठा था। लेकिन आज के दौर में दीपावली का मतलब बम-पटाखों के अलावा कुछ नहीं रहा। लोग खुशियों का इजहार बम-पटाखे फोड़कर करते हैं। दीपावली खुशियों का पर्व है, दीयों को जगमग करने का त्योहार है और सभी कड़वाहटों को मिटाकर अपनों के गले मिलने, बड़ों से आशीष लेने का दिन है। इसे पटाखों के शोर में गुम न होने दें।

मिठाइयां बनाएं और बांटें

जरूरी नहीं है पटाखे जलाकर ही दीपावली मनाई जाए। देश में ही नहीं, विदेश में भी रहने वाले कई भारतीय भी अलग तरीके से दीपावली मनाना पसंद करते हैं। कई लोग घर में मिठाइयां बनाते हैं, अच्छे पकवान बनाते हैं और पड़ोसियों और अपने नाते-रिश्तेदारों को घर पर बुलाकर जश्न मनाते हैं।

घर के आसपास की सफाई करें

दीपावली से पहले अपने घर के साथ-साथ आस-पड़ोस में गंदगी को भी साफ करें। आसपास सफाई रहेगी तो माहौल खुशियों से भरा होगा। उस दिन घर के आसपास या बाग-बगीचों में एक पौधा लगाएं, जो आगे जाकर वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा और आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखेगा।

गीत और संगीत का आयोजन करें

भारतीय संस्कृति में वैसे भी खुशी मनाने का यह सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। इस दीपावली आप भी कुछ ऐसा ही करें। दोस्तों और रिश्तेदारों को बुलाएं, उनके साथ अंताक्षरी खेलें। कहते हैं दीपावली और दशहरे पर बुराई का अंत हुआ था। इसलिए अपनी सारी बुरी आदतों को आप भी हमेशा के लिए नमस्कार कर दें। इस दीपावली अच्छी आदतों को अपनाएं और लोगों से दोस्ती बढ़ाएं।

यदि दिल न माने, तो जरा संभलकर जलाएं पटाखे

इतना सब कुछ जानने के बावजूद यदि आप अपने दिल को पटाखे न जलाने के लिए नहीं मना पा रही हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान रखें, ताकि दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सके और कम से कम प्रदूषण और शोर हो।

पटाखे हमेशा खुली जगह पर ही छोड़ें और ध्यान रखें कि आस-पास पेट्रोल, डीजल, केरोसिन या गैस सिलिंडर जैसे ज्वलनशील पदार्थ न रखे हों। साथ ही पास में पानी से भरी एक बाल्टी जरूर रखें। आजकल मार्केट में कम कीमत और नकली पटाखों की कोई कमी नहीं है। पर इनसे दुर्घटना की आशंका बढ़ती है, इसलिए अच्छे ब्रांड वाले पटाखे ही खरीदें। बच्चों के लिए पटाखे खरीदते वक्त उनकी उम्र का भी ध्यान रखें। उनको ऐसे पटाखे बिल्कुल ना दिलवाएं जो उनकी उम्र के अनुकूल न हों। पटाखे छुड़ाते समय बच्चों के साथ रहें और उन्हें पटाखे जलाने का सुरक्षित तरीका बताएं।

हमेशा पटाखों को लंबी लकड़ी या मोमबत्ती के इस्तेमाल से जलाएं। माचिस का प्रयोग बिल्कुल न करें। पटाखों को दूर से जलाएं, चेहरा बचाकर आग लगाएं। कई लोग एक साथ दो-तीन पटाखे एक साथ जलाते हैं। ऐसी स्थिति में आपका ध्यान बंट सकता है, इसलिए हमेशा एक बार में एक ही पटाखा जलाएं। अगर कोई पटाखा आग लगाने के बावजूद भी ना चले, तो उसको दोबारा जलाने की कोशिश न करें। उसे हाथ से न उठाएं और बेहतर होगा कि उसे पानी डाल कर बुझा दें।

दीयों को जलाते वक्त और पटाखे छोड़ते समय नायलॉन और सिंथेटिक कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें। पटाखे छोड़ते वक्त जूते जरूर पहनें।

पर्यावरण के दुश्मन पटाखे

दिवाली और अन्य खुशी के अवसर पर पटाखे चलाने की परंपरा संपूर्ण देश में है। जमकर आतिशबाजी करने वाले शायद नहीं जानते कि ऐसा करके वे पर्यावरण को कितना प्रदूषित कर रहे हैं। पिछले वर्ष केन्द्रीय प्रदूषण नियंतण्रमंडल के निर्देश पर पटाखों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच की गई। पाया गया कि पटाखों के चलाए जाने से निकलने वाला धुआं, इनमें बढ़ाए गए रंग-बिरंगे नजारों के कारण अधिक जहरीला होता जा रहा है जिसके घुलने से वायु में खतरनाक तत्वों की संख्या बढ़ती जा रही है। पटाखों को रंग-बिरंगा बनाने के लिए निर्माता बारूद के साथ तरह-तरह के रासायनिक यौगिकों और भारी धातु तत्वों का जमकर उपयोग कर रहे हैं। हरा रंग बेरियम, नीला रंग कॉ पर, लाल रंग लीथियम, सफेद रंग पोटैशियम औ र पीला रंग सल्फर के उपयोग से मिलता है। ये सभी वायु प्रदूषण का कारण बनते जा रहे हैं। पटाखा निर्माण में शोरा, गंधक, कोयला, नाइट्रेट बेरियम, नाइट्रेट आयरन, अरारोट, डेकस्टोन आदि का इस्तेमाल भी होता है। ये सभी स्वास्थ्य और पर्यावरण के दुश्मन हैं। वातावरण में प्रदूषण सल्फर नाइट्रेट, मैग्नीशियम तथा अल्यूमीनियम जैसे रसायनों के जलने से उत्पन्न होता है। इससे सल्फर डाई आक्साइड तथा नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें बनती हैं, जो मनुष्य की श्वास नली को नुकसान पहुंचाती हैं। इन जहरीली गैसों से दमा तथा ब्रोंकाइटिस के मरीजों की तकलीफ काफी बढ़ जाती है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड द्वारा दिवाली के दिन दिल्ली में प्रदूषण का अध्ययन किया गया। इससे पता चला कि सिर्फ एक ही दिन में छोड़े गए इन पटाखों से 4 हजार मीट्रिक टन अतिरिक्त कचरा पैदा हुआ। यह केवल दिल्ली शहर की बात है। सारे देश में पटाखों से कितना कचरा पैदा होता होगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। पटाखों की वजह से जमकर ध्वनि प्रदूषण होता है। खासतौर पर तेज धमाके वाले पटाखे, बम, सुतली बम, बुलेट बम, लड़ी आदि शामिल हैं। इन पटाखों का ध्वनि स्तर 100 से 125 डेसिबल के बीच होता है। हालांकि अधिक तेज धमाके वाले पटाखों के निर्माण पर रोक है तो भी ये बन और बिक रहे हैं। पिछले वर्ष दिवाली पर बोर्ड द्वारा पटाखों के ध्वनि स्तर की जांच की गई थी, उसे मानक स्तर से अधिक पाया था। मानक स्तर रिहायशी क्षेत्र के लिए 55 तथा व्यावसायिक क्षेत्र के लिए 45 डेसिबल है। पटाखों के शोर से मानसिक तनाव पैदा होता है जो कई बीमारियों को जन्म देता है। अत्यधिक शोर उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रोल में वृद्धि तथा हृदय रोग का कारण बनता है। वृद्ध, बीमार और नवजात शिशुओं को तेज धमाके बर्दाश्त नहीं होते और उनके लिए जानलेवा सिद्ध होते हैं। पटाखों के शोर की वजह से व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है तथा उसे झुंझलाहट आने लगती है। पटाखों के रात भर होने वाले शोर की वजह से लोग ठीक से सो भी नहीं पाते। पटाखों के शोर का सर्वाधिक घातक प्रभाव गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है, उसकी धड़कनें बढ़ जाती हैं। कई गर्भवती महिलाओं का गर्भपात भी हो जाता है।

डॉ. विनोद गुप्ता पिछले साल दिवाली पर ऐसे पटाखे चलाये गये थे जो मानक स्तर से ज्यादा पर बनाये गये थे

दीये की जोत से मिलते हैं अनेकों लाभ

- ज्योति (दीये में जलाने वाली जोत) दो प्रकार ही होती है। प्रातः कालीन व सायंकालीन लेकिन समयानुसार या साधना अनुसार या नियम अनुसार यह दोपहर व रात्रि को भी अनेकों उत्सवों में प्रज्वलित की जाती है।
- प्रातः कालीन दीप मंजरी से यह अभिप्राय है कि हे प्रभु! हमारा सारा समय उत्तम प्रकार से सत्कर्मों को करते हुए व्यतीत हो। हम अपने जीवन में अपने परिवार की लिए लौकिक-आलौकिक सुखों को आप के माध्यम से प्राप्त करके परिवार को समर्पित करें। सभी अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर उन्नति करें व संस्कारो को उन्नत करें।
- अत- प्रातः कालीन जोत संस्कार देती है, यश प्रदान करती है, दीर्घायु देती है, धन में वृद्धि करती है और मानसिक संतापों को हरने वाली होती है। प्रातः कालीन जोत करने वाले जीव जिस कार्य में भी हाथ डालते हैं वह कार्यों उनकी यथारूचि पूर्ण होता है। कारण, यह अखंड सौभाग्य देने वाली होती है और सौभाग्यशाली जीव जहां भी जाएगा, वहां स्वयं खुशहाली आ जाएगी।
- अनेकों प्रकार के दुर्भाग्य भाग जाते हैं, अनेकों रोगों से मुक्ति होती है और खाया हुआ भोजन सुपाच य हो जाता है व शरीर की रचना स्वयं में सही प्रकार से संचालित होती है। रक्त त चाप उच्च या निम्न नहीं होता, हृदय गति अवरुद्ध नहीं होती नेत्र ज्योति सम्पूर्ण रूप से कार्य करती है और असमय सिर के बाल नहीं झड़ते, एवं कान, नासिक व दांत यह दीर्घायु तक भी सुचारू कार्य करते रहते है।
- ज्वर आदि प्रकोप नहीं होते, गलकंठ नहीं होती। कार्य करने की क्षमता स्वतः ही उत्साही हो जाती है। आलस्य का परित्याग हो जाता है इसलिए कहा है की प्रथम सुख निरोगी काया।
- इस प्रातः कालीन जोत से एक अचूक परिवर्तन जो जीवन में होता है वह बहुत चमत्कारी होता है क्रोध जो शरीर को हानि पहुंचाता है नियंत्रण में रहता है। लालसाएं, द्वेष, कुविचार और आत्मगलानि जैसे कोई भी कर्म जीवन में प्रवेश नहीं करते। तर्क, सुतर्को में बदल जाते हैं बुद्धि तीव्र हो जाती हैं व निर्णय लेने की क्षमता परिपक्व हो जाती है। जिससे समय के मापदंड को पहचानते हुए समय का सदुपयोग होता है।
- व्यर्थ के दिखावे, खर्चे, आमोद-प्रमोद व मनोरंजन आदि इन सबसे समय रहते हुए प्राणी बच जाता है और जहां इतना कुछ केवल मात्र प्रातः कालीन जोत प्रज्वलित करने से मिलता हो, तो इतने बड़े उल्लासित संस्कार को आजीवन करने में क्या हानि है।
- दादी और बाबा के संस्कार व किए गए सत्कर्म व कुकर्म तीसरी और पांचवी पीढ़ी तक मिलते हैं इससे यह सिद्ध होता है कि इतना बड़ा सत्कर्म हम कर रहे हैं वह हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त होगा व जीवन का सही निर्वाह होगा यह सौ प्रतिशत वचनबद्धता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीपावली

धन और समृद्धि का त्यौहार

दीपावली पूजन विधि

दीपावली यानी धन और समृद्धि का त्यौहार. इस त्यौहार में गणेश और माता लक्ष्मी के साथ ही साथ धनाधिपति भगवान कुबेर, सरस्वती और काली माता की भी पूजा की जाती है. सरस्वती और काली भी माता लक्ष्मी के ही सात्विक और तामसिक रूप हैं. जब सरस्वती, लक्ष्मी और काली एक होती हैं तब महालक्ष्मी बन जाती हैं.

दिपावली की रात गणेश जी की पूजा से सद्बुद्धि और ज्ञान मिलता है जिससे व्यक्ति में धन कमाने की प्रेरणा आती है. व्यक्ति में इस बात की भी समझ बढ़ती है कि धन का सदुपयोग किस प्रकार करना चाहिए. माता लक्ष्मी अपनी पूजा से प्रसन्न होकर धन का वरदान देती हैं और धनधपति कुबेर धन संग्रह में सहायक होते हैं. इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही दीपावली की रात गणेश लक्ष्मी के साथ कुबेर की भी पूजा की जाती है.

पूजन सामग्री -

कलावा, रोली, सिंदूर, 1 नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र , फूल, 5 सुपारी, लौंग, पान के पत्ते, घी, कलश, कलश हेतु आम का पल्लव, चौकी, समिधा, हवन कुण्ड, हवन सामग्री, कमल गट्टे, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल), फल, बताशे, मिठाईयां, पूजा में बैठने हेतु आसन, हल्दी , अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, रूई, आरती की थाली. कुशा, रक्त चंदनद, श्रीखंड चंदन.

पर्वोपचार -

पूजन शुरू करने से पूर्व चौकी को धोकर उस पर रंगोली बनाएं. चौकी के चारों कोने पर चार दीपक जलाएं. जिस स्थान पर गणेश एवं लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करनी हो वहां कुछ चावल रखें. इस स्थान पर क्रमशः गणेश और लक्ष्मी की मूर्ति को रखें. अगर कुबेर, सरस्वती एवं काली माता की मूर्ति हो तो उसे भी रखें. लक्ष्मी माता की पूर्ण प्रसन्नता हेतु भगवान विष्णु की मूर्ति लक्ष्मी माता के बायीं ओर रखकर पूजा करनी चाहिए.

आसन बिछाकर गणपति एवं लक्ष्मी की मूर्ति के सम्मुख बैठ जाएं. इसके बाद अपने आपको तथा आसन को इस मंत्र से शुद्धि करें ''ऊं अपवित्र : पवित्रोवा सर्वावस्थां गतोऽपिवा। यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥'' इन मंत्रों से अपने ऊपर तथा आसन पर 3-3 बार कुशा या पुष्पादि से छींटें लगायें फिर आचमन करें - ऊं केशवाय नमः ऊं माधवाय नमः, ऊं नारायणाय नमः, फिर हाथ धोएं, पुनः आसन शुद्धि मंत्र बोलें :-

ऊं पृथ्वी त्वयाधृता लोका देवि त्यवं विष्णुनाधृता। त्वं च धारयमां देवि पवित्रं कुरु चासनम॥

शुद्धि और आचमन के बाद चंदन लगाना चाहिए. अनामिका उंगली से श्रीखंड चंदन लगाते हुए यह मंत्र बोलें चन्दनस्य महत्पुण्यम् पवित्रं पापनाशनम्, आपदां हरते नित्यम् लक्ष्मी तिष्ठतु सर्वदा।

दीपावली पूजन हेतु संकल्प -

पंचोपचार करने बाद संकल्प करना चाहिए. संकल्प में पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल (पानी वाला), मिठाई, मेवा, आदि सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर संकल्प मंत्र बोलें : ऊं विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः, ऊं तत्सदद्य श्री पुराणपुरुषोत्तमस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो ऽह्नि द्वितीय परार्द्धे श्री श्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे, अष्टाविंशतितमे कलियुगे, कलिप्रथम चरणे जम्बुद्वीपे भरतखण्डे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मवर्तैकदेशे पुण्य (अपने नगर/गांव का नाम लें) क्षेत्रे बौद्धावतारे वीर विक्रमादित्यनृपते : 2067, तमेऽब्दे शोभन नाम संवत्सरे दक्षिणायने/उत्तरायणे हेमंत ऋतो महामंगल्यप्रदे मासानां मासोत्तमे कार्तिक मासे कृष्ण पक्षे अमावस तिथौ (जो वार हो) शुक्र वासरे स्वाति नक्षत्रे प्रीति योग नाग करणादिसत्सुशुभे योग (गोत्र का नाम लें) गोत्रोत्पन्नोऽहं अमुकनामा (अपना नाम लें) सकलपापक्षयपूर्वकं सर्वारिष्ट शांतिनिमित्तं सर्वमंगलकामनया- श्रुतिस्मृत्यो- क्तफलप्राप्तर्थं– निमित्त महागणपति नवग्रहप्रणव सहितं कुलदेवतानां पूजनसहितं स्थिर लक्ष्मी महालक्ष्मी देवी पूजन निमित्तं एतत्सर्वं शुभ-पूजोपचारविधि सम्पादयिष्ये.

गणपति पूजन

किसी भी पूजा में सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा की जाती है. इसलिए आपको भी सबसे पहले गणेश जी की ही पूजा करनी चाहिए. हाथ में पुष्प लेकर गणपति का ध्यान करें. गजाननम्भूतगणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फलचारुभक्षणम। उमासुतं शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपंकजम।

आवाहनः ऊं गं गणपतये इहागच्छ इह तिष्ठ कहकर पात्र में अक्षत छोड़ें. अर्घा में जल लेकर बोलें एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम् ऊं गं गणपतये नमः. रक्त चंदन लगाएंः इदम रक्त चंदनम् लेपनम् ऊं गं गणपतये नमः, इसी प्रकार श्रीखंड चंदन बोलकर श्रीखंड चंदन लगाएं. इसके पश्चात सिन्दूर चढ़ाएं ''इदं सिन्दूराभरणं लेपनम् ऊं गं गणपतये नमः. दर्वा और विल्बपत्र भी गणेश जी को चढ़ाएं. गणेश जी को वस्त्र पहनाएं. इदं रक्त वस्त्रं ऊं गं गणपतये समर्पयामि.

पूजन के बाद गणेश जी को प्रसाद अर्पित करें. इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं गं गणपतये समर्पयामिः. मिष्ठान अर्पित करने के लिए मंत्रः इदं शर्करा घृत युक्त नैवेद्यं ऊं गं गणपतये समर्पयामिः. प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें. इदं आचमनयं ऊं गं गणपतये नमः. इसके बाद पान सुपारी चढ़ायेंः इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं गं गणपतये समर्पयामिः. अब एक फूल लेकर गणपति पर चढ़ाएं और बोलेंः एषः पुष्पान्जलि ऊं गं गणपतये नमः

इसी प्रकार से अन्य सभी देवताओं की पूजा करें. जिस देवता की पूजा करनी हो गणेश के स्थान पर उस देवता का नाम लें.

कलश पूजन -

घड़े या लोटे पर मोली बांधकर कलश के ऊपर आम का पल्लव रखें. कलश के अंदर सुपारी, दूर्वा, अक्षत, मुद्रा रखें. कलश के गले में मोली लपेटें. नारियल पर वस्त्र लपेट कर कलश पर रखें. हाथ में अक्षत और पुष्प लेकर वरूण देवता का कलश में आह्वान करें. ओ3म् त्तत्वायामि ब्रह्मणा वन्दमानस्तदाशास्ते यजमानो हविभिः। अहेडमानो वरुणेह बोध्युरुशंस मान आयुः प्रमोषीः। (अस्मिन कलशे वरुणं सांगं सपरिवारं सायुध सशक्तिकमावाहयामि, ऊं भूर्भुवः स्वःभो वरुण इहागच्छ इहतिष्ठ। स्थापयामि पूजयामि॥)

इसके बाद जिस प्रकार गणेश जी की पूजा की है उसी प्रकार वरूण देवता की पूजा करें. इसके बाद देवराज इन्द्र फिर कुबेर की पूजा करें.

लक्ष्मी पूजन

सबसे पहले माता लक्ष्मी का ध्यान करें

ऊं या सा पद्मासनस्था, विपुल-कटि-तटी, पद्म-दलायताक्षी।
गम्भीरावर्त-नाभिः, स्तन-भर-नमिता, शुभ्र-वस्त्रोत्तरीया।।
लक्ष्मी दिव्यैर्गजेन्द्रैः। मणि-गज-खचितैः, स्नापिता हेम-कुम्भैः।
नित्यं सा पद्म-हस्ता, मम वसतु गृहे, सर्व-मांगल्य-युक्ता।।

इसके बाद लक्ष्मी देवी की प्रतिष्ठा करें. हाथ में अक्षत लेकर बोलें 'ऊं भूर्भुवः स्वः महालक्ष्मी, इहागच्छ इह तिष्ठ, एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम।'

प्रतिष्ठा के बाद स्नान कराएं:

ऊ मन्दाकिन्या समानीतैः, हेमाम्भोरुह-वासितैः स्नानं कुरुष्व देवेशि, सलिलं च सुगन्धिभिः।। ऊं लक्ष्म्यै नमः।। इदं रक्त चंदनम् लेपनम् से रक्त चंदन लगाएं। इदं सिन्दूराभरणं से सिन्दूर लगाएं। ऊं मन्दार-पारिजाताद्यैः, अनेकैः कुसुमैः शुभैः। पूजयामि शिवे, भक्तया, कमलायै नमो नमः।।ऊं लक्ष्म्यै नमः, पुष्पाणि समर्पयामि।'इस मंत्र से पुष्प चढ़ाएं फिर माला पहनाएं. अब लक्ष्मी देवी को इदं रक्त वस्त्र समर्पयामि कहकर लाल वस्त्र पहनाएं.

लक्ष्मी देवी की अंग पूजा

बायें हाथ में अक्षत लेकर दायें हाथ से थोड़ा-थोड़ा छोड़ते जायें– ऊं चपलायै नमः पादौ पूजयामि ऊं चंचलायै नमः जानूं पूजयामि, ऊं कमलायै नमः कटि पूजयामि, ऊं कात्यायिन्यै नमः नाभि पूजयामि, ऊं जगन्मातरे नमः जठरं पूजयामि, ऊं विश्ववल्लभायै नमः वक्षस्थल पूजयामि, ऊं कमलवासिन्यै नमः भुजौ पूजयामि, ऊं कमल पत्राक्ष्य नमः नेत्रत्रयं पूजयामि, ऊं श्रियै नमः शिरंः पूजयामि।

अष्टसिद्धि पूजा

अंग पूजन की भांति हाथ में अक्षत लेकर मंत्रोच्चारण करें. ऊं अणिम्ने नमः, ओं महिम्ने नमः, ऊं गरिम्णे नमः, ओं लघिम्ने नमः, ऊं प्राप्त्यै नमः ऊं प्राकाम्यै नमः, ऊं ईशितायै नमः ओं वशितायै नमः।

अष्टलक्ष्मी पूजन -

अंग पूजन एवं अष्टसिद्धि पूजा की भांति हाथ में अक्षत लेकर मंत्रोच्चारण करें. ऊं आद्ये लक्ष्म्यै नमः, ओं विद्यालक्ष्म्यै नमः, ऊं सौभाग्य लक्ष्म्यै नमः, ओं अमृत लक्ष्म्यै नमः, ऊं लक्ष्म्यै नमः, ऊं सत्य लक्ष्म्यै नमः, ऊं भोगलक्ष्म्यै नमः, ऊं योग लक्ष्म्यै नमः

नैवेद्य अर्पण

पूजन के पश्चात देवी को 'इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि' मंत्र से नैवेद्य अर्पित करें. मिष्ठान अर्पित करने के लिए मंत्रः 'इदं शर्करा घृत समायुक्तं नैवेद्यं ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि' बालें. प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें. इदं आचमनयं ऊं महालक्ष्मियै नमः. इसके बाद पान सुपारी चढ़ायेंः इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि. अब एक फूल लेकर लक्ष्मी देवी पर चढ़ाएं और बोलेंः एषः पुष्पान्जलि ऊं महालक्ष्मियै नमः.

लक्ष्मी देवी की पूजा के बाद भगवान विष्णु एवं शिव जी पूजा करनी चाहिए फिर गल्ले की पूजा करें. पूजन के पश्चात सपरिवार आरती और क्षमा प्रार्थना करें

क्षमा प्रार्थना-

न मंत्रं नोयंत्रं तदपिच नजाने स्तुतिमहो
न चाह्वानं ध्यानं तदपिच नजाने स्तुतिकथाः ।
नजाने मुद्रास्ते तदपिच नजाने विलपनं
परं जाने मातस्त्व दनुसरणं क्लेशहरणं
विधेरज्ञानेन द्रविणविरहेणालसतया
विधेयाशक्यत्वात्तव चरणयोर्याच्युतिरभूत् ।
तदेतत् क्षंतव्यं जननि सकलोद्धारिणि शिवे
कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति
पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि बहवः संति सरलाः
परं तेषां मध्ये विरलतरलोहं तव सुतः ।
मदीयो7यंत्यागः समुचितमिदं नो तव शिवे
कुपुत्रो जायेत् क्वचिदपि कुमाता न भवति
जगन्मातर्मातस्तव चरणसेवा न रचिता
न वा दत्तं देवि द्रविणमपि भूयस्तव मया ।
तथापित्वं स्नेहं मयि निरुपमं यत्प्रकुरुषे
कुपुत्रो जायेत क्वचिदप कुमाता न भवति
परित्यक्तादेवा विविध सेवाकुलतया
मया पंचाशीतेरधिकमपनीते तु वयसि
इदानींचेन्मातः तव यदि कृपा
नापि भविता निरालंबो लंबोदर जननि कं यामि शरणं
श्वपाको जल्पाको भवति मधुपाकोपमगिरा
निरातंको रंको विहरति चिरं कोटिकनकैः
तवापर्णे कर्णे विशति मनुवर्णे फलमिदं
जनः को जानीते जननि जपनीयं जपविधौ
चिताभस्म लेपो गरलमशनं दिक्पटधरो
जटाधारी कंठे भुजगपतहारी पशुपतिः
कपाली भूतेशो भजति जगदीशैकपदवीं
भवानि त्वत्पाणिग्रहणपरिपाटीफलमिदं
न मोक्षस्याकांक्षा भवविभव वांछापिचनमे
न विज्ञानापेक्षा शशिमुखि सुखेच्छापि न पुनः
अतस्त्वां सुयाचे जननि जननं यातु मम वै
मृडाणी रुद्राणी शिवशिव भवानीति जपतः
नाराधितासि विधिना विविधोपचारैः
किं रूक्षचिंतन परैर्नकृतं वचोभिः
श्यामे त्वमेव यदि किंचन मय्यनाधे
धत्से कृपामुचितमंब परं तवैव
आपत्सु मग्नः स्मरणं त्वदीयं
करोमि दुर्गे करुणार्णवेशि
नैतच्छदत्वं मम भावयेथाः
क्षुधातृषार्ता जननीं स्मरंति
जगदंब विचित्रमत्र किं
परिपूर्ण करुणास्ति चिन्मयि
अपराधपरंपरावृतं नहि माता
समुपेक्षते सुतं
मत्समः पातकी नास्ति
पापघ्नी त्वत्समा नहि
एवं ज्ञात्वा महादेवि
यथायोग्यं तथा कुरु ।

दीप की जगमग

में घर की सज्जा

भारत वर्ष देश है त्योहारों और उत्सवो का, यहां हर दिन कोई न कोई व्रत त्योहार और उत्सव होता है। ये त्योहार और उत्सव हर जाति धर्म और क्षेत्र से जुड़े हैं, लेकिन कुछ त्योहार ऐसे हैं जो पूरे भारत वर्ष मे समान रूप से मनाए जाते है। और ऐसा ही एक त्योहार है, दीपावली। अब देखिए न दीपावली के ठीक एक दिन पहले नरक चतुर्दशी होती है, इसका मतलब है जो अभी तक घर की सफाई न कर पाया हो वह भी सफाई कर लें। इस दृष्टिकोण से दीपावली साज-सज्जा का ही उत्सव है। जब हर ग्रहणी, हर व्यवसायी या यूं कहें कि हर व्यक्ति अपने छोटे बड़े कैसे भी घर और कार्य स्थल की साफ-सफाई और साज-सज्जा कर लक्ष्मी का स्वागत करता है। यह ऐसा उत्सव है जिसमें घर की सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाता है। दीवाली के आसपास लोग घर पेंट कराते हैं, नए पर्दे लगवाते हैं और हर तरह से घर को सजाते हैं।

कम खर्च में नया रूप :

आने वाले दीप पर्व पर हर कोई अपने घर को सजाएगा, लेकिन इस सजावट को विशिष्ट बनाने के लिए हम आपको कुछ आसान तरकीबें बताते हैं, जिनसे आप कम खर्च में ही अपने घर को नया रूप दे सकेंगी। दीपावली त्योहार है धन की देवी लक्ष्मी और ऋद्धि-सिद्धि के देव गणपति के पूजन का तो क्यों न साज-सज्जा की थीम भी यही बने। त्योहार के आसपास लक्ष्मी की विभिन्न आकारों की प्रतिमाएं बाजार में उपलब्ध रहती है, तो एक सुन्दर और जीवंत सी प्रतिमा को फोकल प्वाइंट बनाते हुए घर के मुख्य कक्ष में सजाएं। इस प्रतिमा पर एक चमकदार लाल रंग का वस्त्र डालकर इसे और भी सुंदर दिखा सकती हैं। जिस प्लेटफार्म पर आप इस मूर्ति को सजाएं उसे लाल और सफेद फूलों से सजाएं व मूर्ति के ऊपर इन्ही रंग के फूलों से तोरण बनाते हुए साज सज्जा करे। मूर्ति के समक्ष गणपति का प्रतीक मंगल कलश नारियल के साथ अवश्य सजाएं या फिर एक छोटी सी गणपति की प्रतिमा भी सजा सकती हैं। लक्ष्मी की मूर्ति के दोनों ओर पीतल के दीपदानों में दिए सजाकर प्रज्ज्वलित करें। इन दीपदानों के स्थान पर आप हाथ में दीप जलाए दीपलक्ष्मी की प्रतिमाओं का भी प्रयोग कर सकती है।

आकर्षक हो प्रवेशद्वार :

इस प्रकार आप अपने घर में दीप पर्व के लिए एक मुख्य आकर्षण बिंदु बना सकती हैं, जो कि घर आने वाला कोई भी व्यक्ति अनदेखा नहीं कर पाएगा। अब आती है बात अन्य स्थानों पर साज-सज्जा की। इसकी शुरुआत करते है मुख्य द्वार से। देश के लगभग हर क्षेत्र में दीपावली में लक्ष्मी के स्वागत हेतु द्वार पर विशिष्ट प्रकार की रंगोली, अल्पना आदि सजाते है। यदि आप इनसे हटकर कुछ करना चाहती है तो फूलों की पत्तियों से अनूठी रंगोली सजा सकती है। इस रंगोली के मध्य जालीदार कई मटकों का सेट लगाकर इसके भीतर दीप जला सकती है या टेराकोटा के बड़े दीपदान भी प्रयोग कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार को फूलों और टिशू के कपड़े से बंदनवार बना सजा सकती हैं। मुख्य द्वार के आसपास मिट्टी के गणपति भगवान के साथ मटकों को फूलों व लाई से सजाकर रख सकती हैं।

प्रकाश का आनंद :

ड्राइंगरूम की सेंटर टेबल या डाइनिंग टेबल को दीपावली की साज-सज्जा के अनुरूप बनाने के लिए इस पर ब्राईट कलर का रनर सजाएं और इसके ऊपर तांबे, पीतल या शीशे के बड़े पात्र में दीपक तैराएं। पानी में तैरते इन दीपों और मोमबत्तियों की आभा, आपके पूरे घर को रोशन कर देगी। घर मे उपयुक्त स्थानों पर टेराकोटा के जालीदार लैम्प, दीपदान या मटकों का प्रयोग करें। इनके ऊपर या अंदर दीप जलाएं और फिर लीजिए जालियों से छनकर आते प्रकाश का आनंद।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य बढ़ाने की पीएम की घोषणा सही

ग्रीनपीस इंडिया ने कहा- जीवाश्म ईंधन की नई परियोजनाओं को रोकने की जरूरत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा सही दिशा में है, लेकिन जीवाश्म ईंधन की नई परियोजनाओं को रोकने और समयबद्ध तरीके से उन्हें उद्योग से हटाने की जरूरत है। यह कहना है ग्रीनपीस इंडिया का। ग्लासगो में सीओपी-26 जलवायु शिखर सम्मेलन में मोदी के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हुए ग्रीनपीस इंडिया ने कहा कि जीवाश्म ईंधन की नई परियोजनाओं को मंजूरी देने और पर्यावरण संबंधी कानूनों को कमजोर करने से भारत के जलवायु उद्देश्यों में मदद नहीं मिलेगी।संगठन ने एक बयान में कहा, ÷जलवायु लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अगले 10 वर्ष अहम होने जा रहे हैं। जितनी तेजी से और जल्दी से हो सके,कार्य योजना को स्रोत से उत्सर्जन को कम करना शुरू करना चाहिए।वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए, हमें अभी जीवाश्म ईंधन की नई परियोजनाओं को रोकना चाहिए और उसे समयबद्ध तरीके से उद्योग से बाहर करना चाहिएग्रीनपीस इंडिया ने कहा, ÷नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा सही दिशा में हैं। अन्य महत्वपूर्ण विचार भी हैं, हमें 2030 तक ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों से देश की कुल ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत प्राप्त करने के लिए अच्छे व्यवहार और समानता की जरूरत है।÷ संगठन ने कहा कि कोयले में निवेश न तो धरती के लिए अच्छा है और न ही अर्थव्यवस्था के लिए।।÷उसने कहा कि भारत को जलवायु संकट से निपटने के लिए प्रणालीगत और व्यावहारिक परिवर्तनों की जरूरत है।

उपचुनाव के नतीजे भाजपा के दो मुख्यमंत्रियों के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपचुनाव के नतीजे सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए मिले-जुले रहे।जहां कुछ राज्यों में बीजेपी ने अच्छा प्रदर्शन किया,वहीं कहीं पर कांग्रेस बाजी मारने में कामयाब रही। हालांकि, ये नतीजे बीजेपी के दो मुख्यमंत्रियों के लिए परेशानी लेकर आए हैं। ये दो मुख्यमंत्री हैं हिमाचल प्रदेश के जयराम ठाकुर और कर्नाटक के बसवाराज बोमई है। उस समय में जब बीजेपी नेतृत्व 'नो रिपीट फॉर्मूला'' को सख्ती से लागू कर रही है और पिछले छह महीनों में चार सीएम बदल चुकी है। हिमाचल प्रदेश में एक लोकसभा सीट और तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे लेकिन चारों ही सीटों पर बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा। मंडी लोकसभा सीट पर पूर्व सीएम की पत्नी और कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिभा सिंह ने जीत दर्ज की।यह जीत बीजेपी सीएम के लिए टेंशन इसकारण है, क्योंकि ये उनका गृह क्षेत्र है।

जयराम ने हार स्वीकर करते हुए कहा कि पार्टी इससे सबक लेगी। ठाकुर ने पार्टी कार्यकर्ताओं से परिणाम से निराश न होकर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी करने के लिए कहा है। लेकिन जयराम ठाकुर के ऊपर कुर्सी जाने का खतरा लगातार मंडरा रहा है। ठाकुर के लिए गुजरात एक उदाहरण है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और पार्टी ने इसी साल मुख्यमंत्री पद से लेकर पूरी कैबिनेट को ही बदल दिया ताकि पार्टी को आलोचनाओं से दूर किया जा सके।

वहीं,कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवाराज बोमई के लिए चुनौती अलग तरह की है। 30 अक्टूबर का उपचुनाव इस लिंगायत समुदाय के नेता के लिए सबसे बड़ी परीक्षा थी। बोमई को इस साल येदियुरप्पा को हटाने के बाद कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया गया। कर्नाटक की सिंडगी और हंगल दो सीटों पर उपचुनाव हुए। इसमें से सिंडगी सीट पर बीजेपी ने जीत भी हासिल की, लेकिन हंगल सीट ज्यादा बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री बनने के बाद बसवाराज बोमई के लिए यह पहली चुनावी चुनौती थी और हंगल सीट उनके शिग्गावं विधानसभा क्षेत्र का पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र है। हालांकि, यह सीट बीजेपी हार गई, वह भी तब जब खुद मुख्यमंत्री ने इस सीट पर चुनावी कैंपेन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। हालांकि, सीएम बोमई ने ट्विटर पर इस हार को लोकतंत्र का हिस्सा बताया। उन्होंने ट्वीट किया कि लोकतांत्रिक सिस्टम में हार सामान्य बात है।

पांच दिनों का यूरोप दौरा खत्म कर स्वदेश वापस लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी रोम (इटली), वेटिकन सिटी और ग्लासगो (स्कॉटलैंड) की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के बाद देश लौट आए। 5 दिवसीय यूरोप यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सबसे पहले पीएम मोदी इटली की राजधानी रोम में आयोजित जी-20 की बैठक में शामिल हुए। इसके बाद वह वेटिकन सिटी पहुंचे जहां उन्होंने पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी स्कॉटलैंड के ग्लासगो पहुंचे और वहां जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित कॉप-26 में हिस्सा लिया। मोदी ने अपनी रोम में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन को 'फलदायी' करार दिया। उन्होंने कहा कि विश्व नेताओं ने वैश्विक महत्व के अहम मुद्दों जैसे महामारी से लड़ाई, स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और नवोन्मेष पर विस्तृत चर्चा की। नरेंद्र मोदी ने रोम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके आदर्श दुनियाभर में लोगों को प्रेरित करते हैं। भारतीय समुदाय के लोगों ने पियाजा गांधी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मोदी, मोदी' के नारों के साथ स्वागत किया।

प. बंगाल में संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकी गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, एनआईए के दल ने एक गुप्त सूचना के आधार पर सुभाषग्राम इलाके में तलाशी अभियान चलाया और बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया उसके पास से फर्जी मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड जब्त किए गए हैं। उससे पूछताछ की जा रही है। हम पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह कब और कैसे भारत में घुसा। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध के पास से आतंकवादी संगठन से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

नोएडा में सांसद के आवास के बाहर प्रदर्शन करने पर 600 किसानों के खिलाफ केस दर्ज

नोएडा (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और गौतम बुद्ध नगर से सांसद डॉ। महेश शर्मा के आवास का घेराव करने तथा मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित करने के आरोप में नोएडा के सेक्टर 20 थाने में करीब 600 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त (प्रथम जोन) रणविजय सिंह ने बताया कि 81 गांव के किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 64 दिन से नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सिंह ने बताया कि सांसद के आवास से थोड़ी ही दूरी पर पुलिस ने किसानों को रोक दिया, जिसके बाद किसान सड़क पर ही बैठ गए तथा उन्होंने यातायात बाधित कर दिया। उन्होंने कहा कि यातायात बाधित होने की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस मामले में भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा समेत करीब 600 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बीच, खलीफा ने कहा कि बढ़ी हुए दर से मुआवजा देने तथा विकसित भूखंड देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर 81 गांव के किसान 63 दिन से नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन प्राधिकरण न तो उनकी मांगों को पूरा कर रहा है और न उनसे कोई सकारात्मक वार्ता कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं होती, उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा यहां के अन्य जनप्रतिनिधियों का भी जल्द घेराव किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 5-6 नवंबर तक खराब हो सकती है हवा की गुणवत्ता, आईएमडी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की वजह से हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक वीके सोनी ने बताया कि 4 नवंबर तक हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में रहने की संभावना है। वहीं, उत्तर-पश्चिमी हवाओं और पटाखे फोड़ने के कारण 5-6 नवंबर को यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रह सकती है। उन्होंने कहा कि अगले 3 दिनों तक न्यूनतम तापमान 13-15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हवा गुणवत्ता का पूर्वानुमान बताने वाली एजेंसी सफर के अनुसार, दिवाली की रात दिल्ली के हवा की क्वालिटी का स्तर 'बदतर' होगा और इसमें पराली जलाने के कारण प्रदूषण की हिस्सेदारी पीएम 2.5 होगी। दिवाली के अगले दिन 'पीएम 2.5' प्रदूषण में 40 फीसदी तक हिस्सेदारी पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की हो सकती है। पटाखों से उत्सर्जन शून्य रहने की स्थिति में दिल्ली में 'पीएम-2.5' प्रदूषण स्तर के 4 से 6 नवंबर के बीच 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने का अनुमान है। सफर के अनुसार यदि उत्सर्जन, 2019 के पटाखों से संबंधित उत्सर्जन का 50 फीसदी भी रहा तो वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के 4 नवंबर की रात से 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने और इसके पांच नवंबर तक ऐसे ही बने रहने का अनुमान है। सफर के संस्थापक परियोजना निदेशक गुफरान बेग ने बताया कि अक्टूबर में रिकार्ड बारिश और हवा की अनुकूल दिशा के कारण इस मौसम में अब तक दिल्ली के वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान कम है। हालांकि इसके 5 नवंबर तक 40 फीसदी तक पहुंच जाने का अनुमान है, क्योंकि दिवाली के बाद हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम की ओर बदल सकती है। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से उठने वाला धुआं उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण राष्ट्रीय राजधानी की ओर आ जाता है। पिछले साल, 5 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने की हिस्सेदारी 42 फीसदी तक पहुंच गई थी। 2019 में, एक नवंबर को यह हिस्सेदारी 44 फीसद तक थी। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब तथा 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। अधिकारियों ने कहा कि इस मौसम में पहली बार मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण बदतर कैटेगरी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 303 दर्ज किया गया जो सोमवार को 281, रविवार को 289 और शनिवार को 268 था। पड़ोसी शहरों फरीदाबाद (306), गाजियाबाद (334) और नोएडा (303) में भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब रही।

विपक्ष के रूप में हमें कम आंकने की जगह एकजुट होकर काम करने की जरूरत, टीएमसी ने कांग्रेस को दी नसीहत

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल उपचुनाव की चारों सीटों पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कब्जा कर लिया है। टीएमसी ने दो सीटों पर रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की है। इसके बाद टीएमसी ने इशारों-इशारों में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को संदेश दे दिया है। राज्यसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा अब नजरिया बदलने की जरूरत है। तृणमूल नेता ने कहा अब नजरिया बदलना होगा। विपक्ष में हम सभी लोग बराबर के हकदार हैं। हमें कम आंकने की जगह इस पर एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। आपस में लड़ने की जरूरत नहीं है। हमारा एकमात्र लक्ष्य भाजपा को हराना है। डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, 4 में से भाजपा के 3 उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। ज्ञात हो कि कूचबिहार की दिनहाटा विधानसभा सीट पर तृणमूल के उदयन गुहा ने 1,14,086 मत हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के पलाश राणा को महज 20,254 मत ही मिल सके। दिनहाटा से इस साल हुए विधानसभा चुनावों में केंद्रीय मंत्री नीतीश प्रामाणिक ने महज 57 मतों से जीत दर्ज की थी, लेकिन उन्होंने अपनी कूचबिहार लोकसभा सीट पर बने रहने के लिए यहां से इस्तीफा दे दिया था खारडाह विधानसभा सीट पर राज्य के मंत्री सोवनदेब चट्टोपाध्याय ने भाजपा उम्मीदवार जॉय साहा को 93,832 मतों से हरा दिया। तृणमूल के मौजूदा विधायक के निधन के कारण इस सीट पर उपचुनाव हुआ था। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेगासस जासूसी मामला, किसान समेत कई मुद्दों पर कांग्रेस, तृणमूल समेत तमाम पार्टियां एकजुट दिखाई दीं, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने संसद से इतर आगे की रणनीति बनाने के लिए चाय पार्टी का जब आयोजन किया, तो टीएमसी के मुख्य चेहरे उससे नदारद रहे। दरअसल, कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश करना चाहती है, लेकिन तृणमूल, अपनी नेता ममता बैनर्जी को विपक्ष के चेहरे के रूप में प्रचारित करना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि सांसद नहीं होने के बावजूद टीएमसी ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुन लिया है।

महाराष्ट्र में 30 नवंबर के पहले सभी लोग वैक्सीन की दोनों खुराके जरूर लगवा लें : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के अब तक के सबसे कम मामले सामने आने के एक दिन बाद राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे 30 नवंबर से पहले कोरोना वायरस रोधी वैक्सीन की दोनों खुराकें जरूर लगवा लें. उन्होंने अपनी यह पहल ऐसे समय पर की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को कोविड टीकाकरण को लेकर हो रहे काम की समीक्षा करने वाले हैं. प्रधानमंत्री मोदी इस बैठक में कम टीकाकरण वाले 17 राज्यों के 50 जिलाधिकारियों से बातचीत करेंगे. महाराष्ट्र में वैक्सीनेशन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए डिविजनल कमिश्नर, कलेक्टर के साथ तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं. राज्य की मशीनरी भी ऐसे टीकों को रिकॉर्ड स्तर पर ले जाने के लिए प्रयासरत है. सीएम उद्धव ठाकरे ने अपने एक आदेश में कहा है कि कोरोना के मामलों भले ही घट गए हों, लेकिन नागरिकों को सावधान रहना चाहिए कि कोरोना वायरस अभी भी गया नहीं है. उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना के मामले घटने के बाद फिल्म थियेटर फिर से शुरू हो गए हैं. हर सिनेमा थियेटर में वैक्सीनेशन की जरूरत को लेकर विज्ञापन दिखाए जाने चाहिए. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा सभी स्थानीय अधिकारियों को वैक्सीनेशन के काम में लगाया जाना चाहिए. साथ ही स्वास्थकर्मियों और मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों को अनिवार्य तौर पर वैक्सीन दी जानी चाहिए.

वैक्सीन सर्टिफिकेट से पीएम मोदी की फोटो हटाने की मांग बेहद खतरनाक : केरल हाईकोर्ट

कोच्चि (एजेंसी)।

केरल उच्च न्यायालय ने कोरोना वैक्सीन सर्टिफिकेट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हटाने के प्रस्ताव को खतरनाक बताया है। एक याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि यह एक खतरनाक प्रस्ताव है और कोई व्यक्ति नोटों से महात्मा गांधी की तस्वीर को हटाने के लिए फिर अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है, क्योंकि यह उसकी मेहनत की कमाई है। वह नहीं चाहता कि नोट में किसी राष्ट्रीय नेता का चेहरा हो। ऐसी स्थिति में क्या होगा? याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अजित जॉय ने अपनी दलील में कहा कि महात्मा गांधी का चित्र भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार मुद्रा नोटों पर मुद्रित किया गया था। जबकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर किसी वैधानिक प्रावधान के आधार पर वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट पर मुद्रित नहीं की गई है।

इससे पहले अक्टूबर में अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। हालांकि केंद्र सरकार ने अपनी बात रखते हुए हलफनामा दायर करने के लिए समय मांगा है। जिसके बाद अदालत ने सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की है। वहीं एक अन्य मामले में केरल उच्च न्यायालय की दूसरी पीठ ने कहा कि केंद्र ने वैक्सीनेशन अभियान के लिए नागरिकों के दो वर्ग स्थापित किए हैं। पहले वो जिन्हें कोवैक्सीन दी गई और दूसरे वो जिन्हें कोविशील्ड लगाई गई।

पीएम ने 40 जिलों के अधिकारियों को दिए टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने के मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उन 40 से अधिक जिलों के जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की जिन जिलों में कम संख्या में लोगों का टीकाकरण हुआ है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई इस बैठक में उन जिलों के अधिकारी शामिल हैं जहां पर 50 फीसदी से भी कम लोगों के टीके की पहली खुराक मिली है और दूसरी खुराक लगवाने वाले लोगों की संख्या भी जहां पर कम है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने टीकाकरण पर धर्मगुरुओं के संदेश को जनता तक पहुंचाने पर विशेष जोर देने के लिए कहा। इस दौरान पीएम मोदी ने अधिकारियों को कई मंत्र दिए। पीएम मोदी ने कहा, 'कोविड टीकाकरण के लिए स्थानीय स्तर पर रणनीति बनानी होगी। हर घर पर दस्तक देते समय, पहली डोज़ के साथ-साथ दूसरी डोज़ पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। टीकाकरण में महिला सहयोगियों की मदद ली जाए। टीकाकरण पर धर्मगुरुओं के संदेश को भी हमें जनता तक पहुंचाने पर विशेष जोर देना होगा। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आपकी मेहनत के कारण ही अब तक की प्रगति हुई है। प्रशासन के हर सदस्य, आशा कार्यकर्ताओं ने बहुत काम किया, मीलों पैदल चलकर दूर-दराज के स्थानों पर टीकाकरण किया। लेकिन अगर हम 1 बिलियन के बाद ढीले हो जाते हैं, तो एक नया संकट आ सकता है।' उन्होंने कहा, 'कभी भी बीमारी और दुश्मनों को कम करके नहीं आंकना चाहिए। उनका अंत तक मुकाबला करना है। इसलिए, मैं चाहता हूं कि हम थोड़ी सी भी ढिलाई न बरतें।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 साल की इस सबसे बड़ी महामारी में देश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने नए उपाय खोजे, नए तरीकों का इस्तेमाल किया। आपको भी अपने क्षेत्रों में टीकाकरण बढ़ाने के लिए नवीन तरीकों पर अधिक काम करना होगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'आपको यह याद रखना होगा कि जिन राज्यों ने वैक्सीन की 100त्न पहली खुराक देने का लक्ष्य हासिल कर लिया है, उन्हें भी कई क्षेत्रों में अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भौगोलिक स्थिति, संसाधनों की चुनौतियां थीं लेकिन इन जिलों ने आगे बढ़ने के लिए उन चुनौतियों पर काबू पा लिया।' प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि ये 40 जिले झारखंड, मणिपुर, नगालैंड, अरूणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मेघालय समेत अन्य राज्यों से हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी20 और सीओपी26 बैठकों में शामिल होकर विदेश से लौटने के तुरंत बाद यह बैठक कर रहे हैं। टीकाकरण के दायरे और रफ्तार दोनों बढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल में कहा था कि देश में 10.34 करोड़ से अधिक संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने निर्धारित तारीख के बाद भी कोविड रोधी टीके की दूसरी खुराक नहीं ली है।

चुनावी रणनीति साझा करें

सीएम चन्नी को कांग्रेस हाईकमान का आदेश, प्रशांत किशोर से चुनावी रणनीति साझा करें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

पंजाब कांग्रेस में महीनों से चले रहे घमासान और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखकर कांग्रेस पार्टी ने जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रशांत किशोर को जोड़ने का मन बनाया है। आंतरिक कलह से जूझ रही कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को फिर से अपने साथ जोड़ सकती है।खुद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इसकी पुष्टि कर बताया कि आलाकमान ने उन्हें प्रशांत किशोर से चुनावी रणनीति साझा करने की हरी झंडी मिली है। अगर प्रशांत किशोर पंजाब में कांग्रेस के लिए फिर से चुनावी रणनीति बनाने को तैयार होते हैं तब एक तरह से चुनावी रणनीतिकार के रूप में उनकी वापसी होगी, क्योंकि कुछ महीने पहले ही उन्होंने इस पारी से विराम लेने का ऐलान किया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने उन्हें प्रशांत किशोर से आगामी चुनाव के मद्देनजर रणनीति साझा करने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि फैसले पर खुद कांग्रेस आलाकमान की मुहर लगी है।बता दें कि आंतरिक कलह से जूझ रही कांग्रेस के सामने अगले साल चुनाव में जीत हासिल करना इसलिए भी बड़ी चुनौती है,क्योंकि पहले भाजपा केवल विरोध में थी, मगर अब कैप्टन के जाने से भी सियासी समीकरण बदलता दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार की रात पंजाब भवन में पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी और पंजाब कांग्रेस चीफ नवजोत सिंह सिद्धू समेत पंजाब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के बीच अहम बैठक हुई। बैठक में ही हरीश चौधरी ने चन्नी से कहा कि वह प्रशांत किशोर से चुनावी रणनीति साझा करें। यानी कांग्रेस फिर से पंजाब में प्रशांत किशोर को जोड़ेगी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि प्रशांत किशोर कांग्रेस के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर चुके हैं,यहां फिर नहीं। अगर प्रशांत किशोर पंजाब में कांग्रेस की चुनावी रणनीति की कमान संभालते हैं तब एक तरह से फिर से उनकी चुनावी कामकाज में वापसी होगी। क्योंकि बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी की जीत सुनिश्चित कराने के बाद मई महीने में प्रशांत किशोर ने चुनावी रणनीति बनाने के काम से संन्यास लिया था। दरअसल, प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस के जोड़ने की वजह है बीता विधानसभा चुनाव। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर ही कांग्रेस की रणनीति तैयार की थी और पार्टी के साथ मिलकर काम किया था। इसका नतीजा यह हुआ कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी। 2017 के विधानसभा चुनाव में 117 में से 78 सीटें जीतकर कांग्रेस ने 10 साल बाद पंजाब की सत्ता में वापसी की थी। मगर अब कैप्टन कांग्रेस से अलग हो गए हैं, ऐसे में चन्नी के लिए राह आसान नहीं होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)